आश्विन कृष्णा - 7 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 63 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 25-09-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 भाजपा मुझे 'चोर' दिखाना चाहती है इसलिए जेल में डाला : केजरीवाल

6 हिंदी में डॉक्टरी की पढ़ाई का फैसला अच्छा पर चुनौतियां भी कम नही

7 'प्रसादम' की घटना हिंदू भावनाओं पर 'हमला' है : स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती

फर्स्ट टेक

जगन्नाथ मंदिर में प्रसाद तैयार करने के लिए इस्तेमाल होने वाले घी की जांच करेगी ओडिशा सरकार

पुरी/भाषा। ओडिशा सरकार ने पुरी के जगन्नाथ मंदिर में प्रसाद तैयार करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले घी की गुणवत्ता की जांच करने का मंगलवार को फैसला किया। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी। यह निर्णय आंध्र प्रदेश के तिरुमला मंदिर में तैयार किए जाने वाले लड्डुओं में कथित तौर पर पशु चर्बी के इस्तेमाल को लेकर उठे विवाद के बीच लिया गया। पुरी के जिलाधिकारी सिद्धार्थ शंकर स्वैन ने कहा कि हालांकि यहां इस तरह के कोई आरोप नहीं लगे हैं, लेकिन प्रशासन 12वीं सदी के मंदिर में 'भोग' तैयार करने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे घी की गुणवत्ता की जांच करेगा।

युवक का जनेऊ काटकर फेंके जाने के दावे के संबंध में कोई सबूत नहीं : तमिलनाडु पुलिस

चेन्नई/भाषा। चेन्नई पुलिस ने मंगलवार को कहा कि सीसीटीवी फुटेज की जांच और गवाहों से पूछताछ में 24 वर्षीय युवक के उस दावे की पुष्टि नहीं हुई कि तिरुनेलवेली में उसका जनेऊ काटकर फेंक दिया गया था। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पांच सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई और छह गवाहों से भी पूछताछ की गई। राज्य पुलिस मुख्यालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, ''अब तक की जांच में उक्त स्थान पर और उस वक्त किसी व्यक्ति के दोपहिया वाहन पर आने और अखिलेश का जनेऊ काटने का कोई सबूत नहीं है।'' पुलिस ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज में अखिलेश को बिना किसी चिंता या परेशानी के लोगों से बात करते पाया गया। हालांकि, उसने इस कथित घटना के बारे में पूछताछ जारी रखी है।

बीएसएफ ने जवान का अपहरण, बीजीबी के समक्ष दर्ज कराया कड़ा विरोध

नई दिल्ली/भाषा। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने मंगलवार को कहा कि उसने अपने बांग्लादेशी समकक्ष बीजीबी के समक्ष इस बात को लेकर ''कड़ा विरोध'' दर्ज कराया है कि उसके जवान का पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा पर गश्त के दौरान पड़ोसी देश के ''शरारती तत्वों'' ने 'अपहरण' कर लिया। बयान में कहा गया है कि दोनों पक्षों के बीच 'फ्लैग बैठक' के बाद बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) ने जवान को वापस सौंपा। जवान को 15-20 बांग्लादेशी शरारती तत्वों के एक समूह ने उस समय अगवा कर लिया था, जब वह पश्चिम बंगाल के दिनाजपुर इलाके में बिराल सीमा के पास नियमित गश्त कर रहा था।

सूर्यास्त	सूर्योदय
25-09-2024	26-09-2024
6:02 बजे	5:58 बजे

BSE	NSE
84,914.04	25,940.40
(-14.57)	(+1.35)

सोना	चांदी
7,848 रु.	98,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मोदी ने जेलेंस्की से मुलाकात की, यूक्रेन संघर्ष पर चिंता जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क (अमेरिका)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यूक्रेन में संघर्ष को लेकर बेहद चिंतित हैं और देश के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ न्यूयॉर्क में उनकी मुलाकात इस संघर्ष के समाधान का मार्ग तलाशने तथा हर संभव तरीके से उसमें योगदान देने की उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने यह जानकारी दी। मोदी ने सोमवार को अमेरिका की अपनी तीन दिवसीय यात्रा के समापन से पहले संयुक्त राष्ट्र के ''भविष्य के शिखर सम्मेलन'' से इतर जेलेंस्की के साथ द्विपक्षीय बैठक की।

मिस्री ने बताया कि यूक्रेन की ओर से बैठक का अनुरोध किया गया था और 'उसी के अनुसार ही बैठक' हुई। बैठक पर एक सवाल के जवाब में मिस्री ने कहा, ''वार्ता और कूटनीति के जरिए शांति का मार्ग तलाशने के प्रति हमारा समर्थन नई बात नहीं है। हमारे लिए यह भूमिका निभाना स्वाभाविक है। मुझे लगता है कि राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ प्रधानमंत्री की बैठक भी एक तरह से इस प्रयास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है, क्योंकि वह इस संघर्ष से बहुत चिंतित हैं। उनकी यह चिंता न सिर्फ संघर्ष में हो रही मानवीय क्षति के संदर्भ में है बल्कि उस क्षति के संदर्भ में भी है जिसका असर विशेष रूप से वैश्विक दक्षिणी देशों पर पड़ रहा है।'' उन्होंने कहा कि जेलेंस्की के साथ उनकी मुलाकात ''संघर्ष के समाधान की दिशा में आगे का मार्ग तलाशने तथा हर संभव तरीके से उसमें योगदान देने की उनकी प्रतिबद्धता'' को ''दर्शाती'' है।

भारतीय तटरक्षक को प्रौद्योगिकी-उन्मुख बल बनने के लिए राजनाथ ने प्रोत्साहित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को भारतीय तटरक्षक को पारंपरिक और भावी खतरों से निपटने के लिए एक प्रौद्योगिकी-उन्मुख बल बनने के लिए प्रोत्साहित किया। तटरक्षक कमांडरों के सम्मेलन में, अपने संबोधन में उन्होंने आत्मनिर्भर तटरक्षक बल बनाने के सरकार के संकल्प को भी दोहराया।

रक्षा मंत्री ने तटरक्षक को भारत की अग्रणी ताकत बताया, जो विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) की निरंतर निगरानी के माध्यम से देश के विशाल समुद्र तट की सुरक्षा सुनिश्चित करती है।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, उन्होंने आंतरिक आपदाओं से राष्ट्र की रक्षा करने में तटरक्षक के योगदान को ''अद्वितीय'' बताया। अपने संबोधन में उन्होंने मौजूदा ''अप्रत्याशित समय'' में पारंपरिक और उभरते खतरों से निपटने के लिए मानव-उन्मुख से प्रौद्योगिकी-उन्मुख बल बनने की आवश्यकता पर जोर दिया।

सिंह ने कहा, ''दुनिया प्रौद्योगिकीय क्रांति के दौर से गुजर रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम प्रौद्योगिकी और ड्रोन के इस दौर में सुरक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति के कारण ऐसा लगता है कि भविष्य में समुद्री खतरे बढ़ेंगे। हमें सतर्क और तैयार रहने की जरूरत है।''

सिंह ने कहा, ''मानव शक्ति का महत्व हमेशा बना रहेगा, लेकिन यह जरूरी है कि दुनिया हमें तकनीक-उन्मुख तटरक्षक के रूप में जाने।'' उन्होंने समुद्री सीमाओं पर अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह देश की सुरक्षा प्रणाली को और मजबूत करने के प्रति प्रोत्साहित करने का काम करती है।

रक्षा मंत्री ने एक ओर जहां नवीनतम प्रौद्योगिकी को शामिल करने के लाभों पर जोर दिया, वहीं दूसरी ओर उन्होंने कमांडरों से इसके नकारात्मक पक्ष से सावधान रहने का भी आह्वान किया। उन्होंने प्रौद्योगिकी को दोधारी तलवार करार दिया और तटरक्षक से संभावित चुनौतियों से निपटने के लिए सक्रिय, सतर्क और तैयार रहने का आह्वान किया।

सिंह ने स्वदेशी प्लेटफार्मों और उपकरणों के साथ सशस्त्र बलों और तटरक्षक के आधुनिकीकरण एवं इसे और मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता भी दोहराई।

मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने का विहिप ने संकल्प लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने देशभर में मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने का मंगलवार को संकल्प लिया और कहा कि वह इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए जल्द एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करेगी।

विहिप के संयुक्त महासचिव सुरेंद्र जैन ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि अगर राज्य सरकारें मंदिरों को हिंदू समाज को नहीं सौंपती हैं, तो संगठन अदालत का भी दरवाजा खटखटाएगा।

उन्होंने कहा, ''आज से हमारा संकल्प है कि देशभर में मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त कर समाज को सौंप दिया जाएगा। इसके लिए पहले हर राज्य में प्रदर्शन और आंदोलन किए जाएंगे और संबंधित मुख्यमंत्रियों के माध्यम से राज्यपालों को अपना ज्ञापन सौंपा जाएगा।''

उन्होंने कहा कि न्याय पाने के लिए जहां भी जरूरत होगी, कानूनी सहारा भी लिया जाएगा। जैन ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी, तो भविष्य में आंदोलन भी शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकारों द्वारा मंदिरों को अपने नियंत्रण में रखना संविधान का उल्लंघन है और अदालतें ''बार-बार कह रही हैं कि मंदिरों को चलाना सरकारों का काम नहीं है।''

उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश का तिरुपति मंदिर ही एकमात्र ऐसा मंदिर नहीं है, जहां से प्रसादम बनाने में जानवरों की चर्बी के इस्तेमाल की खबरें आई हैं। उन्होंने दावा किया, ''इससे पहले केरल के सबरीमला मंदिर से भी शिकायत आई थी।

चेन्नई हवाई अड्डे पर विमान से निकला धुआं, हड़कंप

चेन्नई/भाषा। चेन्नई हवाई अड्डे से मंगलवार की रात 280 यात्रियों को लेकर दुबई जा रहे विमान के प्रस्थान करने से ठीक पहले उसके पंख वाले हिस्से में अचानक धुआं निकलने लगा और वहां हड़कंप मच गया। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रात 9:15 बजे धुआं दिखाई देने पर विमान चालक दल ने अधिकारियों को इसकी सूचना दी और तकनीकी विशेषज्ञों ने विमान का निरीक्षण किया, जिसके करीब 10 मिनट बाद धुआं निकलना बंद हो गया। उन्होंने बताया कि दमकल वाहन भी मौके पर पहुंच गए।

सरकार किसानों के साथ : शिवराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान प्रत्येक मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी के पूसा परिसर में किसानों और किसान संगठनों से मुलाकात मुलाकात की और कहा कि सरकार किसानों के साथ है।

चौहान ने आज मंगलवार को पूसा परिसर में किसानों और किसान संगठनों से मुलाकात की और उनकी शिकायत तथा सुझावों को सुना। विभिन्न राज्यों के किसान संगठनों ने कृषि क्षेत्र में हुए सुधारों को महत्वपूर्ण बताया और उन्हें लागू करने के सुझाव दिए। चौहान प्रत्येक मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी के पूसा परिसर में किसानों और किसान संगठनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात किया करेंगे।

केंद्रीय मंत्री से मुलाकात करने वाले किसान नेताओं में रघुनाथ दादा पाटिल (महाराष्ट्र), अशोक बालियान (उत्तर प्रदेश),केपी सिंह,धर्मेंद्र मालिक (उत्तर प्रदेश), सलविंद सिंह तथा सुरेंद्र सिंह चौहान (दिल्ली), हरि चंद्र गहलोत, सेवा सिंह आर्य और अमन सिंह (हरियाणा) तथा सर्वश्री अमन सिंह, राजेंद्र सिंह, ऊधम सिंह, मांगेराम त्यागी और दलजीत कौर रंधावा सहित कई नेता शामिल थे।

विधि विशेषज्ञों से सलाह कर पता करूंगा कि कानून के तहत जांच की अनुमति है या नहीं : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक हाई कोर्ट से मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को बड़ा झटका लगा है। हाई कोर्ट ने मंगलवार को उनकी याचिका को खारिज कर दिया है। 'मुडा' घोटाले में याचिका खारिज होने पर मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की पहली प्रतिक्रिया आई है। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा, मुझे मीडिया के माध्यम से हाई कोर्ट के आदेश के बारे में जानकारी मिली। मैं आदेश की कॉपी पढ़ने के बाद ही जवाब दूंगा। हालांकि, इतना कहूंगा कि मैं जांच से पीछे नहीं हटूंगा। मैं एक्सपर्ट से सलाह लूंगा कि कानून के तहत ऐसी जांच की अनुमति है या नहीं। मैं कानूनी सलाहकारों से चर्चा के बाद आगे की लड़ाई की रूपरेखा तय करूंगा।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मंगलवार को कहा कि वह भूमि आवंटन मामले में जांच का सामना करने से नहीं हिचकिचाएंगे। सिद्दरामय्या ने यह भी कहा कि वह यह पता लगाने के लिए कानूनी विशेषज्ञों से सलाह लेंगे कि क्या कानून के तहत ऐसी किसी भी जांच की अनुमति है या नहीं। राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा भूमि आवंटन मामले में सिद्धरमैया के खिलाफ जांच के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका को उच्च न्यायालय द्वारा खारिज किए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि सच्चाई की जीत होगी। मुख्यमंत्री ने कहा, मैं जांच का सामना करने से नहीं हिचकिचाऊंगा। मैं इस बारे में विशेषज्ञों से सलाह लूंगा कि क्या कानून के तहत ऐसी जांच की अनुमति है या नहीं। सिद्दरामय्या ने कहा कि उन्हें कानून और संविधान पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा, आखिरकार इस लड़ाई में सत्य की जीत होगी। सिद्दरामय्या ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और उसके सहयोगी जनता दल एस (जद-एस) पर उनके लिए परेशानी खड़ी करने' का आरोप लगाते हुए कहा, भाजपा और जद(एस) की इस 'बदले की राजनीति' के खिलाफ हमारा न्यायिक संघर्ष जारी रहेगा।

बंगाल में मालगाड़ी के पांच डिब्बे पटरी से उतरे, कोई हताहत नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में जलपाईगुड़ी जिले के न्यू मैनागुड़ी रेलवे स्टेशन पर मंगलवार सुबह एक खाली मालगाड़ी के पांच डिब्बे पटरी से उतर गए। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सुबह छह बजकर 20 मिनट पर यह घटना हुई, जिसमें कोई हताहत नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि गुवाहाटी से आ रही यह खाली मालगाड़ी न्यू जलपाइगुड़ी जा रही थी।

अलीपुरद्वार के संभागीय रेलवे प्रबंधक (डीआरएम) अमर जीत गौतम ने बताया कि इस मार्ग पर साढ़े 12 बजे ट्रेनों का यातायात आंशिक रूप से बहाल कर दिया गया। उन्होंने कहा, '' क्षतिग्रस्त डिब्बों को पटरी के आसपास से हटाया जा रहा है और इस कार्य के पूरा हो जाने एवं पटरी के ऊपर से गुजर रहे तारों को दुरूस्त कर लिए जाने के बाद सामान्य (ट्रेन) परिचालन बहाल हो जायेगा।''

एनएफआर के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि इस घटना के बाद कई ट्रेनों के मार्गों में बदलाव किया गया। यह रेलवे मार्ग पूर्वोत्तर राज्यों को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ता है।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

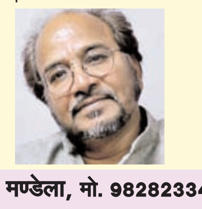

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

पत्र-त्याग

जन प्रतिनिधि त्यागी बने आज,
पद पाने हेतु करे त्राटक।
हठयोगी पाती भेज रहे,
दिल्ली हो चाहे कर्नाटक।
सबके संकल्पों में केवल,
कैसे खोलें हाटक फाटक।
यह त्याग सिर्फ पत्रों का है,
जनता सब देख रही नाटक।।

भारत से दक्षिण कोरिया तक

लोगों ने इस साल चुनावों के जरिये शांतिपूर्वक अपना भविष्य चुना : बाइडन

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने भारत का उदाहरण देते हुए मंगलवार को कहा कि विश्व ने इस साल हुए चुनावों के जरिये दुनिया भर के लोगों को ''शांतिपूर्वक'' अपना भविष्य चुनते देखा।मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा के मंच से विश्व के नेताओं को संबोधित करते हुए बाइडन ने कहा, ''हमने घाना से लेकर भारत और दक्षिण कोरिया तक दुनिया भर के लोगों को शांतिपूर्वक अपना भविष्य चुनते देखा है। विश्व की एक-चौथाई आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाले देश इस साल चुनाव करा रहे हैं।'' अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में आखिरी बार संयुक्त राष्ट्र में अपने संबोधन में बाइडन ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र की बैठक में कहा, ''यह उल्लेखनीय है कि 1972 में अमेरिकी सीनेट के लिए पहली बार चुने जाने के बाद से यह लोगों की शक्ति ही है जो भविष्य के बारे में मुझे अधिक आशावादी बनाती है।''

भारत में लोकसभा चुनाव सात चरणों में कराये गए, जो जून में संपन्न हुए थे और यह इतिहास में सबसे लंबी चुनावी प्रक्रिया थी, जिसमें 65 करोड़ मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए सत्ता में आए। प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को संयुक्त राष्ट्र के 'भविष्य के सम्मेलन' को संबोधित करते हुए भारत के चुनावों का भी जिक्र किया था और उन्हें ''मानव इतिहास में सबसे लंबी चुनावी प्रक्रिया'' बताया था।

लेबनान में पिछले दो दिनों में इजराइली हवाई हमले में मरने वालों की संख्या 558 हो गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेरूत/एपी। लेबनान में सोमवार तड़के से हवाई हमलों में मरने वालों की संख्या 558 हो गयी हैं। मृतकों में 50 बच्चे एवं 94 महिलाएं शामिल हैं। देश के स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। स्वास्थ्य मंत्री फिरास आबियाद ने मंगलवार को संवाददाताओं को बताया कि इस दौरान 1835 लोग घायल भी हुए हैं जिन्हें लेबनान के इर्द-गिर्द 54 अस्पतालों में भर्ती कराया गया। आबियाद ने बताया कि जिन लोगों की जान गयी है उनमें चार अर्धचिकित्साकर्मी हैं तथा घायलों में 16 अर्धचिकित्साकर्मी एवं अग्निशमन कर्मी भी शामिल हैं।

इजराइली सेना का दावा

बेरूत में हमले में हिजबुल्ला की मिसाइल एवं रॉकेट इकाई का कमांडर मारा गया

बेरूत/एपी। इजराइली सेना ने कहा है कि उसने बेरूत पर एक हमले में हिजबुल्ला की मिसाइल और रॉकेट इकाई के एक शीर्ष कमांडर को मार गिराया है। सैन्य अधिकारियों ने बताया कि इब्राहिम कोबेसी मंगलवार को मारा गया तथा वह इजराइल की ओर मिसाइल और रॉकेट हमले करने के लिए जिम्मेदार था। इजराइली सेना ने कहा कि हमले के समय कोबेसी के साथ अन्य प्रमुख कमांडर भी थे, लेकिन अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि इसमें क्या कोई अन्य मारा गया या घायल हुआ है।

कीमत स्थिरता, वृद्धि के बीच संतुलन जरूरी: आरबीआई गवर्नर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने मंगलवार को कहा कि कीमत स्थिरता और आर्थिक वृद्धि के बीच संतुलन जरूरी है। उन्होंने कहा कि अगर केंद्रीय बैंक मूल्य स्थिरता को प्राथमिकता देता है और इसके लिए 'बड़े स्तर पर वृद्धि के साथ समझौता करता है' तो ऐसी परिस्थिति में दोनों के बीच सामंजस्य बैठाने की जरूरत पड़ सकती है। दास ने काठमांडू में अपने संबोधन में कहा कि अर्थव्यवस्था की मदद के लिए, केंद्रीय बैंकों को मौद्रिक नीति के साथ-साथ सूझबूझ के साथ नियमन और निगरानी जैसे उपायों को अपनाना चाहिए। उन्होंने नेपाल राष्ट्र बैंक द्वारा आयोजित हिमालय शमशेर स्मृति व्याख्यान में कहा, ''मूल्य स्थिरता और वृद्धि के बीच संतुलन की स्थिति तब उत्पन्न होती है जब मूल्य स्थिरता के लिए वृद्धि को छोड़ा जाता है।''

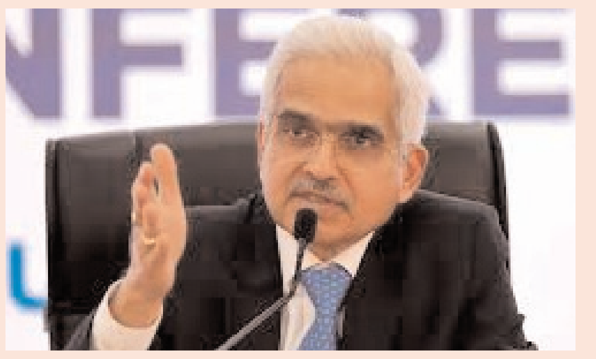

दास के अनुसार, यह हो सकता है कि मूल्य स्थिरता के लिए उपाय वित्तीय स्थिरता के लिए उपयुक्त नहीं हों। हाल ही में कुछ विकसित अर्थव्यवस्थाओं में ऐसा ही देखा गया। वहां जब सख्त मौद्रिक नीति ने बैंकिंग प्रणाली की स्थिरता के बारे में चिंताएं बढ़ा दी हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय संदर्भ में आरबीआई के कार्य मूल्य स्थिरता से कहीं अधिक व्यापक हैं और इसमें वित्तीय स्थिरता बनाए रखना शामिल है।

दास ने कहा कि इससे हमें अर्थव्यवस्था के बारे में समग्र दृष्टिकोण अपनाने, तालमेल के साथ आगे बढ़ने और हमारे पास जो भी साधन हैं, उसका उपयोग कर कदम उठाने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि आरबीआई ने जो रुख अपनाया, वह अर्थव्यवस्था के लिए 'अच्छा' है।' नीति निर्माता पिछले कुछ साल में भारतीय अर्थव्यवस्था को कई झटकों से बचाने में सक्षम रहे हैं और इसे मजबूत होकर उभरने में भी मदद की है।

आरबीआई गवर्नर दास ने कहा, ''भारतीय अर्थव्यवस्था आज बेहतर प्रदर्शन कर रही है और वृहद आर्थिक बुनियाद काफी मजबूत है।''

'मेक इन इंडिया' के 10 साल सफलतापूर्वक पूरे, विनिर्माण क्षेत्र का भविष्य उज्ज्वल: गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि कारोबारी सुगमता बढ़ाने, भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त नहीं करने और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे उभरते क्षेत्रों पर केंद्रित प्रयासों से 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा देने और देश में घरेलू तथा विदेशी निवेश को बढ़ाने में मदद मिली है। उन्होंने कहा, हमने बड़ी सफलता हासिल की है और देश में विनिर्माण के लिए उज्ज्वल भविष्य है, क्योंकि 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम अपने 10 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा है।

निवेश को सुगम बनाने, नवोन्मेषण को बढ़ावा देने, विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा तैयार करने और भारत को विनिर्माण, डिजायन और नवाचार का केंद्र बनाने के लिए 25 सितंबर, 2014 को 'मेक इन इंडिया' पहल शुरू की गई थी। यह 'वोकल फॉर लोकल' पहल में से एक है जिसने देश के विनिर्माण क्षेत्र को दुनिया के सामने बढ़ावा दिया। गोयल ने कहा, हम बहुत बड़ी निवेश योजनाओं पर काम कर रहे हैं, जिससे लाखों नौकरियां पैदा होंगी और अर्थव्यवस्था में हमारे विनिर्माण योगदान का विस्तार होगा। इस पहल की यात्रा को याद करते हुए मंत्री ने कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने 'बहुत कठिन समय' के साथ शुरुआत की थी क्योंकि 2014 में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निवेश को लेकर भरोसा बहुत कम था और उद्योग भविष्य को लेकर आश्वस्त नहीं थे। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की छवि खराब थी और देश को पांच 'नाजुक' अर्थव्यवस्थाओं की श्रेणी में रखा गया था। उन्होंने कहा कि निवेशकों का विश्वास जीतने में इस सरकार को कुछ समय लगा।

गोयल ने कहा, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह बहुत तेजी से हुआ, क्योंकि उन्होंने बहुत साहसिक निर्णय लिए, चाहे वह एक राष्ट्र एक कर यानी 'जीएसटी' हो, या आईबीसी (दिवाला और ऋणशोधन अक्षमता संहिता) हो, या खदानों की नीलामी के लिए पारदर्शी प्रक्रिया लागू करना हो। मंत्री ने कहा कि सरकार ने निवेशकों को स्थिर और अनुकूल नीतियां भी दीं, साथ ही पिछली तिथि से संशोधन न करने की प्रतिबद्धता भी जताई।

आतिशी हनुमान मंदिर गईं, केजरीवाल को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर फिर से बिठाने का आशीर्वाद मांगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में प्रभार संभालने के एक दिन बाद आतिशी ने मंगलवार को यहां कनॉट प्लेस में हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना की और जनता के लिए काम करते रहने एवं विधानसभा चुनाव के बाद अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर फिर से बिठाने के लिए उनका आशीर्वाद मांगा।

मंदिर में दर्शन के बाद उन्होंने पत्रकारों से कहा कि भगवान हनुमान पिछले दो साल से ''दुश्मनों'' के हमलों से आम आदमी पार्टी (आप), दिल्ली में उसकी सरकार और अरविंद केजरीवाल की रक्षा कर रहे हैं, ये दुश्मन पार्टी को 'तोड़ने' एवं लोगों के लिए दिल्ली सरकार द्वारा किये जा रहे कामकाज को अवरूद्ध करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''भगवान हनुमान सभी संकटों में हमारी रक्षा करने वाले 'संकटमोचक' हैं, मैंने उनसे दिल्ली के लोगों के लिए निरंतर काम करते रहने और चुनाव के बाद मुख्यमंत्री के रूप में अरविंद केजरीवाल की वापसी का आशीर्वाद मांगा।''

मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी एक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री प्रार्थना करने तथा सभी के कल्याण एवं समृद्धि के लिए उनका आशीर्वाद मांगने कनॉट प्लेस के ऐतिहासिक प्राचीन हनुमान मंदिर गयीं।

मंदिर में महंत (मुख्य पुरोहित) ने दिल्ली की मुख्यमंत्री के ललाट पर तिलक लगाया और उन्हें एक झंडा दिया। मुख्यमंत्री ने हनुमान चालीसा का पाठ किया और शिवलिंग पर जल चढ़ाया।

'हनुमान दर्शन' के बाद आतिशी ने 'एक्स' पर इसके बारे में कुछ तस्वीरें साझा कीं और लिखा , '' कनॉट प्लेस में स्थित हनुमान मंदिर में हनुमानजी का आशीर्वाद लिया। पिछले दो सालों से आप, दिल्ली सरकार, दिल्ली की जनता एवं हमारे नेता अरविंद केजरीवाल के खिलाफ कई साजिशें रची गयीं। लेकिन भगवान हनुमान ने हर संकट से हमारी रक्षा की।''

तिहाड़ जेल से बाहर आने के बाद केजरीवाल ने भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और कहा कि वह इस (मुख्यमंत्री की) कुर्सी पर तब तक नहीं बैठेंगे जब तक जनता फरवरी में होने वाले चुनाव में उन्हें ''ईमानदारी का प्रमाणपत्र'' नहीं दे देती।

मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के बाद आतिशी ने सोमवार को कहा था, ''मैं दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में चार महीने तक उसी तरह काम करूंगी, जैसे भरत ने भगवान राम की खड़ाऊं को सिंहासन पर रखकर अयोध्या का राजकाज संभाला था।''

आतिशी ने पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल की कुर्सी के बजाय एक अन्य कुर्सी पर बैठने का फैसला किया और कहा कि मुख्यमंत्री कार्यालय में केजरीवाल की कुर्सी उनका इंतजार करेगी।

वायदा एवं विकल्प कारोबार मामले में तथाकथित 'बड़े खिलाड़ियों' के नामों का खुलासा करे सेबी: राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने वायदा एवं विकल्प (एफ एंड ओ) खंड में बीते वित्त वर्ष 2023-24 में 91 प्रतिशत व्यक्तिगत कारोबारियों को हुए नुकसान का हवाला देते हुए मंगलवार को कहा कि भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) को सभी तथाकथित 'बड़े खिलाड़ियों' के नामों का खुलासा करना चाहिए।

उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''विगत पांच वर्षों में अनियंत्रित 'एफ एंड ओ' कारोबार 45 गुना बढ़ गया है। 90 प्रतिशत छोटे निवेशकों को 3 साल में 1.8 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। सेबी को तथाकथित ''बड़े खिलाड़ियों'' के नामों का खुलासा करना चाहिए।''

बाजार नियामक सेबी की सोमवार को जारी एक अध्ययन रिपोर्ट में कहा गया है कि वायदा एवं विकल्प खंड में बीते वित्त वर्ष 2023-24 में 91 प्रतिशत यानी 73 लाख व्यक्तिगत कारोबारियों को नुकसान हुआ है। इन कारोबारियों को औसतन 1.2 लाख रुपए प्रति व्यक्ति का शुद्ध घाटा हुआ।

इसके अलावा, वायदा एवं विकल्प खंड से जुड़े एक करोड़ से अधिक व्यक्तिगत कारोबारियों में से 93 प्रतिशत को तीन साल यानी वित्त वर्ष 2021-22 से वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान प्रति कारोबारी औसतन लगभग दो लाख रुपए (लेन-देन लागत सहित) का नुकसान हुआ। इस अवधि के दौरान ऐसे कारोबारियों का कुल घाटा 1.8 लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा।

वित्त वर्ष 2023-24 में ही कारोबारियों को कुल मिलाकर लगभग 75,000 करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा हुआ।

सांसदों को क्षेत्रीय भाषाओं में कार्यवाही उपलब्ध कराने के लिए एआई, मशीन लर्निंग का उपयोग: बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को कहा कि संसद सदस्यों को विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में सदन की कार्यवाही उपलब्ध कराने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और 'मशीन लर्निंग' प्रौद्योगिकियों का उपयोग किया गया है।

'राष्ट्रमंडल संसदीय संघ भारत क्षेत्र' की दो दिवसीय बैठक के बाद उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि लोकसभा सचिवालय डिजिटलीकरण की प्रक्रिया को तेज करने के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं के साथ प्रौद्योगिकी में अपनी विशेषज्ञता भी साझा कर रहा है। बिरला के अनुसार, दो दिवसीय सम्मेलन के दौरान देश भर के राज्य विधानमंडलों के पीठासीन अधिकारियों ने 3-8 नवंबर तक सिडनी में होने वाले 67वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन (सीपीसी) के एजेंडे पर भी विचार-विमर्श किया। सीपीसी ने प्रतिभागियों द्वारा विचार-विमर्श के लिए 'एलजीबीटीक्यू+' की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए विधायिकाओं के समर्थन, संसदीय कार्यवाही में एआई के उपयोग, सांसदों के साथ हिंसा और दुर्व्यवहार, मानव तस्करी, शरणार्थियों और राष्ट्रमंडल देशों में आप्रवासन सहित आठ विषयों को सूचीबद्ध किया है। बिरला ने कहा, ''हम विधायी निकाय प्रक्रियाओं और रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण कर रहे हैं और रोजमर्रा की गतिविधियों में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करके जन प्रतिनिधियों को प्रशिक्षित करने के उपाय कर रहे हैं।''

मुंबई की पहली भूमिगत मेट्रो का संचालन जल्द शुरू होगा: एमएमआरसी

मुंबई/भाषा। मुंबई की पहली भूमिगत मेट्रो या एक्वा लाइन के पहले चरण में ट्रेन का परिचालन सुरक्षा मंजूरी मिलते ही आरे कॉलोनी से बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) के बीच शुरू होगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। आरे कॉलोनी और बीकेसी के बीच 12.5 किमी लंबा मेट्रो मार्ग, 33.5 किमी लंबी कोलाबा-सीप्ज-आरे मेट्रो लाइन- 3 का हिस्सा है। मुंबई मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एमएमआरसी) के प्रबंध निदेशक अश्विनी भिड़े ने बताया कि मेट्रो लाइन-3 पर जल्द ट्रेन का परिचालन शुरू होगा,क्योंकि अब महज मेट्रो रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीएमआरएस) की मंजूरी मिलनी बाकी है। इसके लिए दो स्वीकृतियों की आवश्यकता थी, जिसमें से उन्हें रोलिंग स्टॉक (मेट्रो ट्रेन) के लिए पहले ही मंजूरी मिल चुकी है, जबकि रेल लाइन के लिए आवेदन स्वीकृति के लिए लंबित है।

केंद्रीय मंत्री ने धर्मनिरपेक्षता पर टिप्पणी को लेकर पवन कल्याण का समर्थन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय मंत्री बी संजय कुमार ने मंगलवार को आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण का पुरजोर समर्थन किया, जिन्होंने कहा था कि धर्मनिरपेक्षता एकतरफा रास्ता नहीं बल्कि दोतरफा रास्ता है, जिसमें सभी पंथों को शामिल किया जाना चाहिए। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बी संजय कुमार ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि वह पूरी तरह से कल्याण के साथ हैं। उन्होंने कहा, आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण की प्रभावशाली टिप्पणी और मैं पूरी तरह से उनके साथ खड़ा हूं।

कुमार ने कल्याण की टिप्पणियों का हवाला देते हुए कहा, यदि कोई सनातन धर्म के साथ खिलवाड़ करने की कोशिश करता है, तो हम सभी हिंदू उचित रूप से आवाज उठाएंगे। धर्मनिरपेक्षता दोतरफा रास्ता है। यदि आप उम्मीद करते हैं कि हम मार खाएं जबकि अन्य को लाड़-प्यार मिले, तो ऐसा नहीं होने वाला है। हम चुप रहकर बर्दाश्त नहीं करेंगे।''

इस बीच अभिनेता प्रकाश राज ने तिरुपति लड्डू विवाद पर अपनी पूर्व की टिप्पणियों पर कल्याण की प्रतिक्रिया का जवाब दिया। प्रकाश राज ने 'एक्स' पर कहा, प्रिय पवन कल्याण...मैंने आपकी प्रेस वार्ता देखी... मैंने जो कहा और आपने जो गलत व्याख्या की, वह आश्चर्यजनक है... मैं विदेश में शूटिंग कर रहा हूं। वापस आकर आपके सवालों का जवाब दूंगा... इस बीच यदि आप मेरे पिछले ट्वीट को देखें तो मैं सराहना करुंगा।'' कल्याण ने मंगलवार को विजयवाड़ा में कनक दुर्गा मंदिर में एक सफाई कार्यक्रम में भाग लिया जो तिरुपति लड्डू प्रसादम बनाने में मिलावटी घी के उपयोग के आरोपों के बाद 11 दिवसीय 'प्रायश्चित' का हिस्सा था। पार्टी नेताओं के साथ, कल्याण ने मंदिर की सीढ़ियों को धोया। कल्याण ने मंदिर में संवाददाताओं से कहा, मैं सनातन धर्म का पालन करता हूं। हम राम भक्त हैं, हमारे घर में राम जपम होता था।'' उन्होंने कहा कि भारत में मुस्लिम, ईसाई और पारसी जैसे सभी धर्म समान रूप से समायोजित हैं।

भाजपा ने हरियाणा में बेरोजगारी की महामारी फैलाई : प्रियंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका वाड्रा ने मंगलवार को आरोप लगाया कि हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बेरोजगारी की ऐसी महामारी फैलाई है कि होनहार युवाओं का जीवन बर्बाद हो रहा है।

हरियाणा की 90 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव पांच अक्टूबर को होगा और मतों की गिनती आठ अक्टूबर को होगी।

प्रियंका ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''हरियाणा में भाजपा ने बेरोजगारी की ऐसी महामारी फैलाई है कि होनहार युवाओं का जीवन बर्बाद हो रहा है। प्रदेश में कुल 4.5 लाख सरकारी पद हैं जिनमें से 1.8 लाख पद खाली पड़े हैं। भारतीय जनता पार्टी ने हरियाणा के युवाओं से भविष्य की सारी उम्मीदें छीनकर उनके साथ घोर अन्याय किया है।''

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनते ही राज्य में 2 लाख पक्की भर्ती की जायेंगी तथा पलायन और परिवारों की बर्बादी रोकने के लिए ठोस उपाय किए जाएंगे।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका वाड्रा ने कहा, ''हमारा संकल्प है कि हम युवाओं में व्याप्त निराशा को दूर करके हरियाणा को तरक्की के रास्ते पर ले जाने का काम करेंगे।''

सरकार ने लैपटॉप, टैबलेट के आयात के लिए मंजूरी व्यवस्था 31 दिसंबर तक बढ़ायी

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने लैपटॉप व टैबलेट सहित कुछ आईटी हार्डवेयर उत्पादों के आयात के लिए मौजूदा मंजूरी व्यवस्था को 31 दिसंबर तक बढ़ा दिया। प्रणाली की समीक्षा की समयसीमा 30 सितंबर है। इन उत्पादों का आयात 2023-24 में 8.4 अरब डॉलर का रहा जबकि मंजूरी 9.5 अरब डॉलर की थी। इनमें से अधिकतर आयात चीन से हो रहा था। विदेश व्यापार महानिदेशालय ने परिपत्र में कहा, ''यह स्पष्ट किया जाता है कि आयातकों को आयात मंजूरी के लिए आवेदन करने की अनुमति है। यह 31 दिसंबर, 2024 तक वैध होंगे।

टाटा पावर के ट्रॉम्बे संयंत्र में आग लगी, कोई नुकसान नहीं

नई दिल्ली/भाषा। टाटा पावर के महाराष्ट्र के ट्रॉम्बे संयंत्र में आग लग गयी। कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि आग लगने के कारणों की फिलहाल जांच की जा रही है और किसी के घायल होने या जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। टाटा पावर ने कहा, ...23 सितंबर, 2024 को ट्रॉम्बे संयंत्र की यूनिट संख्या-5 (500 मेगावाट इकाई) के नियंत्रण कक्ष में आग लग गई। कंपनी ने कहा कि वह आग से हुए वास्तविक नुकसान का आकलन कर रही है।

तेलंगाना में पारंपरिक पेशे का पालन नहीं करने पर दलित परिवार का किया गया बहिष्कार, 16 लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना में मेडक जिले में गांव के समारोहों में 'दप्पू' (एक प्रकार का वाद्ययंत्र) बजाने से इनकार करने के बाद एक दलित परिवार के सदस्यों का कथित रूप से सामाजिक बहिष्कार करने पर 16 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

जब मडिगा समुदाय (अनुसूचित जाति) के इस परिवार ने गांव में अंतिम संस्कार के दौरान 'दप्पू' बजाने के अपने पारंपरिक पेशे को जारी रखने से इनकार कर दिया, तब कुछ ग्रामीणों ने कथित रूप से उसका सामाजिक बहिष्कार किया।

इस दलित परिवार के दो सदस्य स्नातकोत्तर हैं और हैदराबाद में नौकरी करते हैं। उन दोनों पर उनके ही समुदाय के कुछ लोगों समेत कुछ ग्रामीणों ने कार्यक्रमों के दौरान इस वाद्ययंत्र (दप्पू) को बजाने का दवाब डाला, लेकिन दोनों भाइयों ने ऐसा करने से मना कर दिया। पुलिस ने कहा है कि उपा सरपंच पर इस परिवार को मकान बनाने के वास्ते मंजूरी नहीं देने तथा नल जल का कनेक्शन नहीं देने का भी आरोप लगाया गया है।

कुछ ग्रामीणों ने 10 सितंबर को बैठक की और इस परिवार का सामाजिक बहिष्कार करने का प्रस्ताव पारित किया, क्योंकि दोनों भाइयों ने अपने परिवार के पारंपरिक पेशे को जारी रखने के निर्देश का पालन करने से मना कर दिया था।

प्रस्ताव में यह चेतावनी भी दी गयी कि 'निर्देश' का उल्लंघन करने वालों पर 5000 रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। बाद में दोनों भाइयों ने पुलिस में शिकायत दर्ज करायी, जिसके बाद 12 सितंबर को अनुसूचित जाति/जनजाति (अत्याचार रोकथाम) अधिनियम और नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि 16 लोगों को अब तक गिरफ्तार किया गया है तथा 15 अन्य फरार लोगों की धरपकड़ की कोशिश की जा रही है।

भारतीय उद्योग जगत से चार लाख करोड़ रुपए की ऋण मांग: एसबीआई चेयरमैन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन चल्ला श्रीनिवासुलु शेट्टी ने कहा है कि बैंक को भारतीय उद्योग जगत से चार लाख करोड़ रुपए के कर्ज की मांग मिल चुकी है। उन्होंने चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी छमाही में निजी क्षेत्र द्वारा पूंजीगत व्यय में तेजी आने की उम्मीद भी जतायी।

शेट्टी ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ साक्षात्कार में कहा, '' हम निजी पूंजीगत व्यय में अच्छी रुचि देख रहे हैं। बुनियादी ढांचे के लिए वित्तपोषण... मुख्य रूप से सड़कों, नवीकरणीय ऊर्जा और कुछ रिफाइनरियों से आ रहा है।'' सार्वजनिक व्यय की बात करें तो वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में 2024-25 के लिए पूंजीगत व्यय लक्ष्य को 11.1 प्रतिशत बढ़ाकर रिकॉर्ड 11.11 लाख करोड़ रुपए कर दिया था। यह देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 3.4 प्रतिशत है।

शेट्टी ने कहा कि कुछ कंपनियों ने पुरानी परियोजनाओं (ब्राउनफील्ड) का विस्तार शुरू किया है, जिसके लिए पूंजीगत व्यय का वित्तपोषण उनके अपने नकदी स्रोतों से किया गया है। हालांकि, उन्होंने कहा, '' अब हम देखते हैं कि कुछ कंपनियां पुरानी परियोजनाओं के विस्तार के लिए भी सावधि ऋण ले रही हैं।'' उन्होंने कहा, '' हमारे पास मांग (पाइपलाइन) है, स्वीकृत लेकिन वितरित नहीं किए गए कर्ज के संदर्भ में तथा प्रस्तावों की मांग है जो प्रक्रियाधीन हैं। यह करीब चार लाख करोड़ रुपए के बराबर है, जो दर्शाता है कि उद्योग जगत की मांग मजबूत है।''

शेट्टी ने इस बात पर जोर दिया कि इस वर्ष निजी पूंजीगत व्यय निश्चित रूप से बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि आम चुनाव के कारण पहली तिमाही में आई सुस्ती के बाद सरकारी व्यय में फिर से वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, '' हम देखते हैं कि दूसरी तिमाही के साथ-साथ चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में भी पूंजीगत व्यय को सरकारी व्यय के साथ-साथ निजी व्यय से बढ़ावा मिलेगा।''

एसबीआई की अपनी कुछ अनुषंगी कंपनियों में हिस्सेदारी के मौद्रीकरण के बारे में शेट्टी ने कहा कि फिलहाल किसी भी अनुषंगी कंपनी में हिस्सेदारी बेचने के बारे में कोई विचार नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा, '' यदि इन अनुषंगी कंपनियों को (वृद्धि) पूंजी की आवश्यकता होगी तो हम निश्चित रूप से इसपर गौर करेंगे।'' उन्होंने कहा कि इस समय किसी भी बड़ी अनुषंगी कंपनी को अपना परिचालन बढ़ाने के लिए मूल कंपनी से पूंजी की आवश्यकता नहीं है।

तमिलनाडु में महिलाओं पर अत्याचार के खिलाफ अन्नाद्रमुक का प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में पिछले तीन वर्षों में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार की कथित विफलता के खिलाफ विपक्षी दल ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) ने चेन्नई में मंगलवार को विरोध-प्रदर्शन किया।

अन्नाद्रमुक की महिला इकाई की सचिव पी वलारमथी और आयोजन सचिव एवं पूर्व मंत्री एस गोकुला इंदिरा के नेतृत्व में हुए इन विरोध-प्रदर्शनों के दौरान काली साड़ी पहनी पार्टी की कई महिला कार्यकर्ताओं ने सत्तारूढ़ द्रमुक के खिलाफ नारे लगाए।

इंदिरा ने कहा, यह विरोध-प्रदर्शन तमिलनाडु में रहने वाली बच्चियों और महिलाओं की सलामती के लिए किया जा रहा है। यह विरोध-प्रदर्शन राज्य में मादक पदार्थों के प्रसार की निंदा करने के लिए किया जा रहा है। आज अगर तमिलनाडु के हर जिले में एक समर्पित महिला पुलिस थाना है, तो यह दिवंगत अन्नाद्रमुक सुप्रीमो जे जयललिता की पहल के कारण है।

अन्नाद्रमुक नेता ने निवेश आकर्षित करने के लिए विदेश यात्राओं को लेकर द्रमुक प्रमुख एमके स्टालिन पर निशाना साधा और महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों को रोकने में राज्य सरकार की कथित विफलता की निंदा की। पूर्ववर्ती अन्नाद्रमुक शासन के दौरान शुरू की गई थालिकु थंगम (मंगलसूत्र के लिए सोना) सहित अन्य महिला केंद्रित योजनाओं का जिक्र करते हुए इंदिरा ने आरोप लगाया कि स्टालिन ने इन्हें वापस ले लिया।

एनआईए ने भारत विरोधी विचारधारा फैलाने की जांच के सिलसिले में तमिलनाडु में छापे मारे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने देश में इस्लामी खिलाफत स्थापित करने का मंसूबा पालने वाले अखिल-इस्लामी संगठन हिज्ब-उत-तहरीर के खिलाफ अपनी जांच के सिलसिले में मंगलवार को तमिलनाडु में कई स्थानों पर छापेमारी की। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि एनआईए के अधिकारियों ने चेन्नई, तंबाराम और कन्याकुमारी जिलों में 11 संदिग्धों के आवास पर छापे मारे और डिजिटल उपकरण, बेहिसाब नकदी और हिज्ब-उत-तहरीर के साहित्य समेत आपत्तिजनक सामग्री बरामद की।

एनआईए ने कहा कि यह छापेमारी विभिन्न सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से असंतोष पैदा करने और चुनावी मताधिकार प्रयोग करने के खिलाफ अभियान चलाने से संबंधित एक मामले की जांच के तहत की गयी है। चुनावी मताधिकार को हिज्ब-उत-तहरीर ने गैर-इस्लामिक या 'हराम' माना है। आतंकवाद रोधी एजेंसी के अनुसार, हिज्ब-उत-तहरीर एक कट्टरपंथी संगठन है जो अपने अनुयायियों को विभाजनकारी कार्यों के माध्यम से वैध रूप से स्थापित लोकतांत्रिक सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए उकसाने में लगा हुआ है। उसने बताया कि मामले में मुख्य साजिशकर्ता हमीद हुसैन ने हिज्ब-उत-तहरीर की भारत विरोधी विचारधारा को बढ़ावा देने के लिए पांच अन्य आरोपियों के साथ मिलकर गुप्त बैठकें कीं।

बयान में कहा गया है, मामले में एनआईए की जांच से अब तक पता चला है कि आरोपी ने लोगों के कई समूहों के साथ मिलकर भारत में खिलाफत या इस्लामिक शासन स्थापित करने के लिए तमिलनाडु में अभियान चलाए और वह लोगों को विभाजित करने तथा देश की संप्रभुत्ता तथा क्षेत्रीय अखंडता बाधित करने के उद्देश्य वाली गतिविधियों में शामिल रहा है। एनआईए ने इस साल जुलाई में चेन्नई सिटी पुलिस से मामले की जांच संभाली थी। छापे के दौरान जब्त की गयी सामग्री की जांच की जा रही है।

स्टालिन ने उदयनिधि को उपमुख्यमंत्री बनाने का दिया संकेत

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने मंगलवार को संकेत दिया कि खेल मंत्री एवं उनके बेटे उदयनिधि स्टालिन को उपमुख्यमंत्री बनाया जाएगा और मंत्रिमंडल में फेरबदल किया जाएगा। जब पत्रकारों ने स्टालिन से मंत्रिमंडल में फेरबदल और कुछ समय से उदयनिधि को उपमुख्यमंत्री बनाए जाने की चर्चाओं के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा, कोई निराशा नहीं होगी, बदलाव होगा।

एक अन्य सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार उत्तरपूर्व मानसून से निपटने के लिए तैयार है और राज्य के मुख्य सचिव ने पहले ही शीर्ष अधिकारियों के साथ चर्चा की है और वह भी अधिकारियों के साथ चर्चा करेंगे। विपक्ष की उनकी अमेरिकी यात्रा के दौरान हासिल किए निवेश पर श्वेत पत्र लाने की मांग पर स्टालिन ने कहा कि उद्योग मंत्री टीआरबी राजा ने पहले ही एक बयान दिया है और वह भी अपने आप में एक श्वेत पत्र है।

स्टालिन की अमेरिकी यात्रा के दौरान राज्य सरकार ने 18 कंपनियों के साथ कुल 7,616 करोड़ रुपये के समझौतों पर हस्ताक्षर किए थे। उदयनिधि ने 18 सितंबर को कहा था कि उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाने संबंधी फैसला मुख्यमंत्री स्टालिन लेंगे और अगले ही दिन तमिलनाडु के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री टी.एम. अंबारासन ने कहा था कि उदयनिधि को जल्द ही उपमुख्यमंत्री बनाया जाएगा।

नायकों की घर वापसी : गुकेश, प्रज्ञानानंदा, वैशाली और श्रीनाथ का चेन्नई पहुंचने पर जोरदार स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। ओलंपियाड में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचने के बाद भारतीय टीमों के सदस्यों का मंगलवार को यहां स्वदेश लौटने पर प्रशंसकों, अधिकारियों और परिवारों के सदस्यों ने स्वागत किया। डी गुकेश, आर प्रज्ञानानंदा, आर वैशाली और पुरुष टीम के कप्तान श्रीनाथ नारायणन आज सुबह तड़के चेन्नई पहुंचे।

भारतीय पुरुष और महिला दोनों टीमों ने रविवार को इतिहास रचते हुए हंगरी में शतरंज ओलंपियाड में पहली बार स्वर्ण पदक जीते। उनकी असाधारण जीत ने भारत की नई शतरंज महाशक्ति के रूप में स्थिति को मजबूत किया। चारों के हवाई अड्डे से बाहर निकलते ही प्रशंसकों ने जयकारे लगाकर उनका स्वागत किया। टूर्नामेंट में अजेय अभियान के साथ भारतीय पुरुष टीम के दबदबे में अहम भूमिका निभाने वाले गुकेश ने अपने व्यक्तिगत और टीम स्वर्ण पदक दिखाए। अप्रैल में कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतकर विश्व चैंपियनशिप मुकाबले के लिए चुनौती पेश करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने 18 वर्षीय गुकेश अब नवंबर में चीन के डिंग लिरेन के खिलाफ विश्व चैंपियनशिप मुकाबले के लिए तैयार हैं।

गुकेश ने पीटीआई वीडियो से कहा, यह बहुत खास है क्योंकि दोनों टीमों ने स्वर्ण पदक जीता है। गुकेश से पहले प्रज्ञानानंदा और वैशाली की भाई-बहन की जोड़ी पहुंची। सभी का स्वागत माला, गुलदस्ते और पारंपरिक स्टोल के साथ किया गया और प्रशंसक उनके साथ सेल्फी लेने के लिए पहुंचे। प्रज्ञानानंदा ने कहा, ''मुझे बहुत खुशी है कि हमने पहली बार ओलंपियाड जीता है, हमने इससे पहले केवल कांस्य पदक जीता था। और हम दोनों वर्गों में जीतने में सफल रहे इसलिए यह हमारे लिए बहुत खास अहसास और गर्व का क्षण है।'' उन्होंने कहा, ''हम अच्छा शतरंज खेल रहे थे और इससे पता चला कि हम सर्वश्रेष्ठ टीम हैं। ओलंपियाड एकमात्र ऐसा टूर्नामेंट है जिसमें हम देश के लिए एक टीम के रूप में खेलते हैं।''

महिला टीम की जीत की नींव रखने वाली वैशाली ने कहा कि चेन्नई में पिछले सत्र में स्वर्ण पदक से चूकना दुखद था। उन्होंने कहा, यह एक स्वप्निल क्षण है। पिछली बार चेन्नई ओलंपियाड में हमने कांस्य पदक जीता था, हम स्वर्ण पदक जीतने के इतने करीब थे लेकिन अंतिम दौर में चूक गए। यह बहुत दुखद था। मुझे खुशी है कि दोनों टीमों ने स्वर्ण पदक जीता है। यह ऐतिहासिक क्षण है। वैशाली ने कहा, ''हमने लगातार छह मैच जीते और फिर पोलैंड से हार गए, यह दुखद हार थी लेकिन मुझे खुशी है कि हमने वापसी की। हमने अगले मैच में अमेरिका से ड्रॉ खेला और स्वर्ण पदक जीतने के लिए हमें आखिरी दो मैच जीतने थे। मुझे खुशी है कि हमने निर्णायक क्षण में अच्छा प्रदर्शन किया।'' पुरुष टीम के कप्तान नारायणन के लिए स्वर्ण पदक वर्षों की कड़ी मेहनत का परिणाम है।

उन्होंने कहा, ''यह बहुत अच्छा लगता है कि मैं सबसे मजबूत टीमों में से एक का कप्तान था जिसने इतने प्रभावशाली अंदाज में ओलंपियाड जीता। जब ऐसा कुछ शानदार होता है तो यह आमतौर पर वर्षों के प्रयास का नतीजा होता है और यहां भी यही हुआ।'' नारायणन ने कहा, ''हम प्रयास करते रहे और आगे बढ़ते रहे। हमें कई सफल नतीजे मिले और हम कई बार पोडियम के करीब पहुंचे।'' इस 30 वर्षीय ग्रैंडमास्टर ने कहा कि गुकेश, अर्जुन एरिगेसी और प्रज्ञानानंदा सहित खिलाड़ियों की नई पीढ़ी विश्व विजेता है। नारायणन ने कहा, हम 2016 में चौथे स्थान पर आए थे लेकिन युवा खिलाड़ियों की यह पीढ़ी विश्व विजेता है। उन्होंने ना केवल यहां बल्कि कैंडिडेट्स और अन्य टूर्नामेंटों में भी यह दिखाया है।

उन्होंने कहा कि भारत का अगला लक्ष्य विश्व चैंपियन देना होगा और इस साल के अंत में इसे हासिल करने के प्रयास में हर कोई गुकेश की हौसलअफजाई करेगा। उन्होंने कहा, हमारे पास ओलंपियाड स्वर्ण पदक है, अब हम भारत में विश्व चैंपियन भी चाहते हैं इसलिए हम गुकेश का उत्साहवर्धन करेंगे।

बलात्कार मामला : विधायक मुकेश को एसआईटी ने गिरफ्तार किया, जमानत पर रिहा हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। केरल में सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के विधायक और अभिनेता एम. मुकेश को एक महिला अभिनेत्री की शिकायत पर दर्ज बलात्कार के मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) ने मंगलवार को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया। मुकेश के वकील ने पुष्टि की कि विधायक को गिरफ्तार कर लिया गया, उनकी चिकित्सकीय जांच एवं पुंसत्व जांच (पोटेंसी टेस्ट) कराई गई और फिर उन्हें रिहा कर दिया गया क्योंकि इस महीने की शुरुआत में सत्र अदालत ने उन्हें अग्रिम जमानत दे दी थी।

इससे पहले मुकेश मंगलवार को विशेष जांच दल (एसआईटी) के समक्ष पेश हुए थे। एसआईटी एक अभिनेत्री की शिकायत के आधार पर मुकेश के खिलाफ दर्ज यौन उत्पीड़न मामले की जांच कर रहा है। मुकेश सुबह पौने 10 बजे तटीय पुलिस मुख्यालय में एसआईटी के समक्ष पेश हुए और उनसे साढ़े तीन घंटे तक पूछताछ की गई। मुकेश के खिलाफ दो मामले दर्ज किए गए हैं। एक मामला वडक्कनचेरी पुलिस ने और दूसरा मामला मरडु पुलिस ने दर्ज किया है। एर्नाकुलम जिला एवं सत्र अदालत ने पांच सितंबर को मुकेश को अग्रिम जमानत दे दी थी। महिला ने मुकेश के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। मुकेश के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 376 (बलात्कार) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

'द्रविड़ की कार्यशैली काफी 'अनुशासित' थी, गंभीर उनकी तुलना में सहज हैं'

चेन्नई। भारतीय टीम के सबसे उम्रदराज सदस्य रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि गौतम गंभीर अपने पूर्ववर्ती राहुल द्रविड़ की तुलना में अधिक सहज हैं, जिनकी कार्यशैली बहुत 'अनुशासित' थी। द्रविड़ नवंबर 2021 से भारतीय टीम के कोच थे। वह इस जुलाई में भारतीय टीम से अलग हुए। उनकी मौजूदगी में टीम ने टी20 विश्व कप का खिताब जीता। अश्विन ने गंभीर और उनके पूर्ववर्ती कोच के बीच अंतर की ओर इशारा करते हुए कहा कि गंभीर शांत प्रवृत्ति के हैं और उनका रवैया ड्रेसिंग रूम में जीवंत माहौल बनाए रखने में मदद करता है। अश्विन ने अपने यू-ट्यूब चैनल पर कहा, 'मुझे लगता है कि वह (गंभीर) बहुत शांतचित्त हैं। मैं उसे रिलैक्स्ड रैंचो (सहज और शांत)' कहना चाहता हूं। उनकी मौजूदगी में कोई दबाव नहीं होता है।'

उन्होंने कहा, 'सुबह में टीम की बैठक को लेकर भी वह काफी सहज रहते हैं। वह आपसे पूछते हैं कि क्या आप सुबह बैठक में आयेंगे, कृपया आइए।' अश्विन ने कहा कि गंभीर की तुलना में द्रविड़ का दृष्टिकोण अधिक सख्त और व्यवस्थित था। उन्होंने खुलासा किया, राहुल भाई (द्रविड़) चीजों को काफी व्यवस्थित रखना चाहते थे। वह चाहते थे कि किसी बोतल को भी एक विशेष समय पर एक विशेष स्थान पर रखा जाना चाहिए। वह इस मामले में बहुत ही अनुशासित थे। इस अनुभवी ऑफ स्पिनर ने कहा, ''गंभीर से वह ऐसी चीजों की उम्मीद नहीं करते हैं। वह ज्यादा कड़ाई करना पसंद नहीं करते हैं। वह सब का ख्याल रखते है और मुझे लगता है कि टीम के सभी खिलाड़ी उन्हें पसंद करेंगे।'' अश्विन ने कार दुर्घटना की गंभीर चोट से उबर कर टेस्ट टीम में वापसी करने वाले भारतीय विकेटकीपर ऋषभ पंत की भी तारीफ की। पंत ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में शतक लगाकर अपनी वापसी को यादगार बनाया। अश्विन ने महसूस किया कि इस युवा खिलाड़ी का जन्म क्रिकेट के लिए हुआ है और अक्सर उनकी क्षमताओं को कम करके आंका जाता है। अश्विन ने कहा, ''वह (पंत) बहुत अच्छा खेले। जब वह बल्लेबाजी कर रहा था तब मैंने रोहित से 10 बार कहा, वह बहुत अच्छा खेलता है लेकिन मुझे नहीं पता कि वह कैसे आउट हो जाता है।''

केरल उच्च न्यायालय ने बलात्कार मामले में अभिनेता सिद्दीकी की अग्रिम जमानत याचिका खारिज की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। केरल उच्च न्यायालय ने बलात्कार के एक मामले में मलयालम फिल्म अभिनेता सिद्दीकी की अग्रिम जमानत याचिका मंगलवार को खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि सिद्दीकी पर लगे आरोपों की गंभीरता को देखते हुए अपराध की उचित जांच के लिए उनसे हिरासत में पूछताछ अपरिहार्य है।

न्यायमूर्ति सी.एस. डायस ने कहा कि चूंकि सिद्दीकी के बचाव में घटना से पूरी तरह इनकार किया गया है, इसलिए उनकी पौरूष जांच अभी तक नहीं करायी गई है। न्यायमूर्ति डायस ने कहा कि इस बात की वाजिब आशंका' है कि वह (सिद्दीकी) गवाहों को डरा-धमका सकते हैं और सबूतों के साथ छेड़छाड़ कर सकते हैं, इसलिए यह अदालत मानती है कि उन्हें राहत देने के लिये विवेकाधीन शक्तियों का उपयोग करने का उपयुक्त मामला नहीं है।

अदालत ने कहा, ... तथ्यों का समग्र विश्लेषण करने, कानूनी प्रावधानों पर विचार करने, मेरी तरफ से ऊपर दिये गए तर्कों, और याचिकाकर्ता (सिद्दीकी) के खिलाफ लगाए गए आरोपों की प्रकृति और गंभीरता को देखते हुए एवं रिकॉर्ड पर रखे गए तथ्यों को समग्र रूप से देखने पर प्रथम दृष्टया याचिकाकर्ता की अपराध में संलिप्तता प्रतीत होती है और अपराध की उचित जांच के लिए याचिकाकर्ता की हिरासत में पूछताछ अपरिहार्य लगती है ....।''

न्यायमूर्ति डायस ने फैसले में कहा, ''..मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि याचिकाकर्ता के पक्ष में इस अदालत की विवेकाधीन शक्तियों का प्रयोग करने के लिए यह उपयुक्त मामला नहीं है। उपरोक्त चर्चा के आलोक में, मेरा मानना है कि आवेदन खारिज किया जाना चाहिए। परिणामस्वरूप, आवेदन खारिज किया जाता है।'' उच्च न्यायालय ने हालांकि, स्पष्ट किया कि आदेश में की गई टिप्पणियां

मामले के गुणदोष को इंगित नहीं करती। सिद्दीकी के खिलाफ आईपीसी की धारा 376 (बलात्कार) और 506 (आपराधिक धमकी) के तहत अपराध का मामला दर्ज किया गया है। अभिनेता ने अपनी याचिका में दावा किया कि शिकायतकर्ता अभिनेत्री उनके खिलाफ 2019 से उत्पीड़न और झूठे आरोपों का लंबा अभियान'' चला रही है। अपनी अग्रिम जमानत याचिका में उन्होंने आगे दावा किया कि अभिनेत्री पिछले पांच वर्षों से बार-बार 2016 में एक थिएटर में उनके द्वारा यौन दुर्व्यवहार किये जाने और 'मौखिक यौन प्रस्ताव' के निराधार और झूठे दावे करती रही हैं।

अपनी याचिका में उन्होंने कहा, ''अब वह उसी वर्ष एक अलग स्थान पर बलात्कार जैसे अधिक गंभीर अपराध का पूरी तरह से विरोधाभासी आरोप लगा रही हैं।'' सिद्दीकी ने शिकायत दर्ज कराने में देरी का भी हवाला दिया। पीड़िता के वकील ने अग्रिम जमानत अर्जी का विरोध करते हुए अदालत में दलील दी कि राज्य पुलिस ने कथित तौर पर उचित जांच नहीं की और अभिनेता के रुतबे से प्रभावित होकर उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जा रहा और इलेक्ट्रॉनिक सबूत एकत्र नहीं किए जा रहे। पीड़िता की ओर से वकील ने दलील दी कि सिद्दिकी को हिरासत में लेकर पूछताछ आवश्यक है, क्योंकि उन्होंने जघन्य अपराध'किया है। अभियोजन पक्ष ने भी अग्रिम जमानत याचिका का विरोध करते हुए दलील दी कि जांच प्रारंभिक चरण' में है और याचिकाकर्ता-अभिनेता के खिलाफ तमाम सबूत हैं। अभियोजन पक्ष ने यह भी कहा कि अगर सिद्दीकी को अग्रिम जमानत दी जाती है तो वह सबूतों से छेड़छाड़ कर सकते हैं और गवाहों को अपने प्रभाव एवं 'रुतबे' से धमका सकते हैं। सिद्दीकी ने अपने खिलाफ आरोप लगने के बाद मलयालम मूवी आर्टिस्ट एसोसिएशन (एएमएमए) के महासचिव पद से इस्तीफा दे दिया था। न्यायमूर्ति के. हेमा समिति की रिपोर्ट में खुलासे के मद्देनजर विभिन्न निर्देशकों और अभिनेताओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद मलयालम फिल्म उद्योग की कई जानी-मानी हस्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। केरल सरकार ने 2017 में एक अभिनेत्री पर हमला मामले की जांच के लिए समिति का गठन किया था। हेमा समिति की रिपोर्ट में मलयालम सिनेमा उद्योग में महिलाओं के उत्पीड़न और शोषण के मामलों का खुलासा किया गया है। कई अभिनेताओं और निर्देशकों के खिलाफ यौन उत्पीड़न और शोषण के आरोप सामने आने के बाद राज्य सरकार ने 25 अगस्त को इन मामलों की जांच के लिए सात सदस्यीय विशेष जांच दल के गठन की घोषणा की थी।

रेल प्रशासन किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए राज्य सरकारों और पुलिस के साथ बातचीत कर रहा : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को कहा कि रेलवे प्रशासन तोड़फोड़ की संभावित कोशिशों को लेकर सतर्क है और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए कई राज्यों में प्रशासन एवं पुलिस के साथ बातचीत कर रहा है। उन्होंने जयपुर हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से कहा कि केंद्र सरकार (रेलवे की) सुरक्षा संबंधी खतरों को अत्यंत गंभीरता से ले रही है और जो भी कोई ऐसी दुर्घटना कराने की कोशिश करेगा, उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। यह हमारा संकल्प है।

वैष्णव ने कहा, रेलवे का पूरा प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है। सभी राज्य सरकारों के साथ, राज्यों के पुलिस महानिदेशकों (डीजीपी) के साथ, गृह सचिवों के साथ लगातार संवाद किया जा रहा है। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) भी इसमें शामिल है। जयपुर पहुंचने के बाद वैष्णव ने मुख्यमंत्री आवास पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात की। अधिकारियों ने वैष्णव की इस मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया। अधिकारियों के अनुसार, मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने राजस्थान में रेलवे सुविधाओं के विस्तार के संबंध में चर्चा की। दोनों नेताओं ने शहर के राजा पार्क इलाका स्थित भाटिया भवन में भाजपा कार्यकर्ताओं से बातचीत की। साथ ही, वैष्णव ने जयपुर के गांधी नगर रेलवे स्टेशन पर बने 'रूफ प्लाजा' का भी निरीक्षण किया। केंद्रीय मंत्री ने पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा कि प्लाजा शहर के दो हिस्सों को जोड़ेगा। उन्होंने कहा कि गांधी नगर रेलवे स्टेशन का प्लाजा देश में इस तरह की पहली परियोजनाओं में से एक है। रेल मंत्री का शाम 4 बजे सवाई माधोपुर रेलवे स्टेशन पर 'कवच' तकनीक युक्त एक इंजन पर सवार होने और 45 मिनट का सफर तय कर इंदरगढ़ स्टेशन तक जाने का कार्यक्रम भी है।

रेल परिचालन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरा रेल प्रशासन सतर्क : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को कहा कि रेल परिचालन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरा रेल प्रशासन सतर्क और 'तोड़फोड़' की किसी भी संभावित कोशिश को रोकने के लिए राज्यों के साथ मिलकर काम कर रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि रेल दुर्घटना कराने की साजिश रचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यहां हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से कहा, यह हमारा संकल्प है। वैष्णव ने कहा कि सरकार सुरक्षा खतरों को अत्यंत गंभीरता से ले रही है ।

उन्होंने कहा, बहुत गंभीरता के साथ रेलवे का पूरा प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है। सभी राज्य सरकारों के साथ, राज्यों के पुलिस महानिदेशकों (डीजीपी) के साथ, गृह सचिवों के साथ लगातार संवाद चल रहा है। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) भी इसमें शामिल है। उन्होंने कहा, जो भी कोई ऐसी दुर्घटना कराने की कोशिश करेगा , उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। यह हमारा संकल्प है।

एक दिवसीय दौरे पर आए वैष्णव ने कहा कि वह सवाई माधोपुर से कोटा तक के रेल मार्ग पर 'कवच' सुरक्षा प्रणाली के 4.0 संस्करण की पहली स्थापना का निरीक्षण करेंगे। उनका जयपुर के गांधी नगर रेलवे स्टेशन पर बने 'रूफ प्लाजा' का निरीक्षण करने का भी कार्यक्रम है। जयपुर पहुंचने के बाद वैष्णव ने मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात की। बाद में उन्होंने शहर के राजा पार्क इलाके में भाटिया भवन में जयपुर जिले के पार्टी कार्यकर्ताओं से बातचीत की।

सीमावर्ती जैसलमेर जिले में संदिग्ध गुब्बारा मिला

जैसलमेर। सीमावर्ती जैसलमेर जिले में एक संदिग्ध गुब्बारा मिला है। मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत भू में कासम खान की ढाणी में मंगलवार की सुबह आसमान से एक संदिग्ध गुब्बारा गिरा। लोगों ने नजदीक जाकर देखा तो गुब्बारे के साथ सफेद रंग की मशीन और एक एंटीना लगा था। सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों को शक है कि गुब्बारा कहीं सीमा पार से तो नहीं आया है। पुलिस ने गुप्तचर एजेंसियों को भी सतर्क किया है।

जहां-जहां भारतवंशी गए हैं, उस देश के विकास में अपना योगदान दिया है : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने सोमवार को कहा कि जहां जहां भारतवंशी गए हैं, उस देश के विकास में अपना योगदान दिया है। बागड़े ने कहा कि भारतवंशियों ने अपनी परंपरागत विशेषताओं को स्थानीय सांस्कृतिक धारा में सम्मिलित करके विदेशी राष्ट्रों को समृद्ध किया है। राज्यपाल ने सोमवार को राजभवन से कनाडा में आयोजित 'विदेश में भारतवंशी संस्कृति' विषयक वेबिनार में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतवंशी जहां जहां बसे हैं, वहां के राष्ट्रीय एवं सामाजिक जीवन में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उन्होंने राजस्थान के उन लोगों को भी स्मरण किया जिन्होंने विदेशों में जाकर राज्य व देश का नाम रोशन किया है। एक सरकारी बयान के अनुसार राज्यपाल ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 'गुरूजी' का स्मरण करते हुए कहा कि वह कहा करते थे, 'यह संपूर्ण विश्व मेरा घर है।'

रेलवे ने गठित किए रेल रक्षक दल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय रेलवे ने रेल दुर्घटनाओं में त्वरित राहत एवं बचाव कार्रवाई के लिए रेल रक्षक दल का गठन किया है जो दुर्घटना राहत ट्रेन से पहले सड़क मार्ग से घटनास्थल पर पहुंच कर काम करने में सक्षम है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की पहल पर उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा पायलट प्रोजेक्ट के रूप में बनी इस टीम को राष्ट्रीय आपदा राहत बल (एनडीआरएफ) ने प्रशिक्षित किया है और ज़ोन के चारों मंडलों में चार स्थानों – बांदीकुई, लालगढ़, उदयपुर एवं मेड़ता रोड पर तैनात किया है। वैष्णव ने जयपुर के गांधीनगर स्टेशन पर पुनर्विकास के काम का निरीक्षण करने के साथ ही रेल रक्षक दल की दो टीमों को भी देखा।

सूत्रों के अनुसार रेल मंत्री ने नवंबर, 2023 में एक बैठक में दुर्घटनाग्रस्त गाड़ी से यात्रियों की तेजी से निकासी के मुद्दे पर काम करने की जरूरत व्यक्त की थी जिसके बाद रेलवे बोर्ड द्वारा उत्तर पश्चिम रेलवे, पूर्वी तटीय रेलवे, भारतीय रेलवे आपदा प्रबंधन संस्थान (आईआरआईडीएम) बेंगलुरु, इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ) और रेल कोच फैक्ट्री (आरसीएफ) की एक समिति गठित की गई थी। समिति की सिफारिशों के अनुरूप रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) और कैरिएज एंड वैगन विभाग के इंजीनियरों की टीम बना कर एनडीआरएफ द्वारा एक माह का प्रशिक्षण दिलाया गया। रेलवे बोर्ड ने आपदा प्रबंधन को बढ़ाने के मद में 3.4 करोड़ की लागत का काम स्वीकृति दी थी। इस पर उत्तर पश्चिम रेलवे ने चार टीमें गठित कीं। प्रत्येक टीम में पांच आरपीएफ सदस्य और एक सीएंडडब्ल्यू कर्मी, दो रिजर्व (एक आरपीएफ और एक सीएंडडब्ल्यू) शामिल हैं। यह निर्णय लिया गया कि टीम के सदस्य (संख्या में 6) जोड़ी में काम करेंगे। बचाव दल आरपीएफ के नियंत्रण में काम करता है और ट्रेन दुर्घटना के दौरान बचाव के लिए और राज्य सरकार के अनुरोध के अनुसार इसका उपयोग किया जाएगा। यह पायलट प्रोजेक्ट 03 वर्ष की अवधि के लिए लाया गया है।

रेल रक्षक दल की एक टीम में एक आईएसयूजेडयू गाड़ी में करीब 25 प्रकार के उपकरण होते हैं, उनमें हाइड्रोलिक कटर, ड्रिलर, रस्सी, वाकी टाकी, टॉर्च, रॉड, जंजीर, एलईडी लाइट, स्ट्रेचर, सीढ़ी, अग्निशमन उपकरण, फर्स्ट एड बॉक्स आदि शामिल हैं। सूत्रों ने कहा कि रेल रक्षक दल की टीमों को दुर्घटना की सूचना मिलते ही 10 मिनट के भीतर रवाना होने और 60 मिनट के अंदर दुर्घटनास्थल तक पहुंचना होता है और रेलवे की दुर्घटना राहत ट्रेन के पहुंचने के पहले राहत एवं बचाव कार्य शुरू करना होता है। दुर्घटना राहत ट्रेन में 52 लोगों की टीम होती है जो रेल रक्षक दल के साथ राहत एवं बचाव कार्य में शामिल हो जाते हैं। सूत्रों के अनुसार आईआरआईडीएम बेंगलुरु में आरपीएफ और सीएंडडब्ल्यू के 21 लोगों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

सैनिकों को राजस्थान पर्यटन विकास निगम के अतिथिगृहों में ठहरने पर 25 प्रतिशत छूट की मिली सैद्धांतिक सहमति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने सशस्त्र सेनाओं में सेवारत एवं सेवानिवृत्त सैनिकों के राजस्थान पर्यटन विकास निगम के अतिथिगृहों में ठहरने पर 25 प्रतिशत छूट का प्रावधान किए जाने पर सैद्धांतिक सहमति जताई है। इस संबंध में प्रस्ताव बनाकर राज्य सरकार को भेजा जाएगा। राज्यपाल ने सैनिक कल्याण के लिए निर्धारित फंड का समुचित उपयोग करने पर जोर दिया। उन्होंने इसके साथ ही, पूर्व सैनिकों, वीरांगनाओं और आश्रितों से सबंधित केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं और निर्णयों पर संवेदनशीलता रखते हुए समयबद्ध समुचित कार्यवाही किए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सैनिक बॉर्डर पर कड़ी धूप और सर्द मौसम में भी राष्ट्र की सुरक्षा के लिए सेवाएं देते है, उनके कारण ही हम घरों में चैन की नींद सो पाते है। उनके प्रति हमें अधिक संवेदनशील होना चाहिये।

बागड़े मंगलवार को राजभवन में राज्य सैनिक बोर्ड की 17 वीं बैठक में संबोधित कर रहे थे। बैठक में सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, राज्य मंत्री विजय सिंह चौधरी, राज्य सैनिक कल्याण सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजोर, मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित बड़ी संख्या में अधिकारी, पूर्व सैनिक अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने पूर्व सैनिकों के राजस्व, पुलिस और अन्य महकमों से सबंधित आने वाली कठिनाइयों के निराकरण के भी निर्देश दिए। उन्होंने जिला प्रशासन, पुलिस और राजस्व विभाग द्वारा पूर्व सैनिकों से जुड़े लंबित प्रकरणों में संवेदनशील होकर और विशेष गंभीरता रखते उनके निराकरण के लिए कार्य किए जाने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि बैठक में पूर्व सैनिकों और उनके परिजनों से जुड़े जो मुद्दे प्रस्तुत हुए हैं, उन पर यथोचित प्रस्ताव तैयार कर उन पर वित्त, कार्मिक और राज्य के अन्य विभागों द्वारा प्रभावी कार्य किए जाएं। उन्होंने पूर्व सैनिकों के आश्रितों, दत्तक संतान आदि के नियोजन से संबंधित विभिन्न योजनाओं का व्यावहारिक परीक्षण करवाकर नियमों के अनुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

सैनिक कल्याण मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि पूर्व सैनिकों के राजस्व और पुलिस संबंधित प्रकरणों में सहानुभूति रखते हुए अधिकारी कार्य करें। प्रयास करें कि उनके लंबित मामलों में सहयोग भाव रखते हुए अधिकारी कार्य करें। उन्होंने जिला और तहसील स्तर पर वार मेमोरियल बनाए जाने, वहां राष्ट्र प्रेम से ओतप्रोत करने वाले कार्यक्रमों के क्रियान्वयन पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यों को प्रोत्साहन मिले, जिससे सैनिक कल्याण के लिए अधिक से अधिक राजस्व एकत्र हो सके। पूर्व सैनिकों की वन विभाग और अन्य विभागों में भर्ती में फिजिकल परीक्षा में रियायत का प्रावधान किया जाए। उन्होंने पूर्व सैनिकों और परिजनों का मान सम्मान रखने, भारतीय सेना के एजुकेशन सर्टिफिकेट को मान्य किए जाने आदि के महती सुझाव दिए।

राज्य के मुख्य सचिव सुधांश पंत ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार पूर्व सैनिकों, आश्रितों और वीरांगनाओं की समस्याओं के समयबद्ध निराकरण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पूर्व सैनिकों, आश्रितों और वीरांगनाओं से जुड़ी समस्याओं का समयबद्ध प्रभावी समाधान करने के हर संभव प्रयास कर रही है।

राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी ने सैनिक कल्याण बोर्ड से संबंधित विभिन्न योजनाओं पर लिए गए निर्णयों के बारे में जानकारी दी। सैनिक कल्याण अधिकारी ब्रिगेडियर वीरेंद्र सिंह राठौड़ ने बैठक में सैनिक कल्याण विभाग के बारे में विस्तार से प्रस्तुतिकरण देते हुए बिंदुवार कार्य प्राथमिकताओं के बारे में जानकारी दी। बैठक में सैनिक कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका, पुलिस महानिदेशक यू आर साहू, मेजर जनरल आर. एस. गोदारा, अन्य प्रमुख सैन्य अधिकारी, राज्यपाल के प्रमुख विशेषाधिकारी राज कुमार सागर तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े की अध्यक्षता में मंगलवार को ही अमलगमेटेड फण्ड फॉर द बेनिफिट ऑफ एक्स–सर्विसमेन की 34 वीं बैठक भी राजभवन में आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने पूर्व सैनिकों के कल्याण और उनसे संबंधित विकास कार्यों की योजनाओं में समुचित बजट आवंटित कर समयबद्ध कार्य किए जाने के निर्देश दिए।

केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम ने पेलिएटिव केयर सर्विस का किया शुभारम्भ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने मंगलवार को सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज से संबद्ध आचार्य तुलसी रीजनल कैंसर उपचार एवं अनुसंधान केन्द्र में पेलिएटिव केयर सर्विस का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर मेघवाल ने कहा कि सिपला फाउण्डेशन के सहयोग से संचालित होने वाली इन सेवाओं का लाभ केंद्र में उपचाराधीन कैंसर मरीजों को मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से शुरू सेवा पखवाड़े के दौरान आयोजित कार्यक्रमों की श्रंखला में बीकानेर को यह सौगात मिली है। उन्होंने बताया कि कैंसर से ग्रस्त मरीज जिन्हें अत्यधिक दर्द, उल्टी होने, श्वास लेने में कठिनाई आदि लक्षण हों, उन्हें विशेषज्ञ चिकित्सकों, नर्सेज, फिजियोथैरेपिस्ट, साइकोलॉजिस्ट (कांउसलर) तथा सोशल वर्कर आदि की प्रशिक्षित टीम द्वारा विशेष राहत प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि पीबीएम अस्पताल में सभी अत्याधुनिक सुविधाएं मुहैया करवाने की दृष्टि से चरणबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है। इसी श्रंखला में यह सेवा शुरू की गई है।

सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गुंजन सोनी ने गत समय शुरू विभिन्न सेवाओं के बारे में बताया। उन्होंने बताया की कैंसर रिसर्च सेंटर में उपचार के लिए आने वाले उत्तर भारत के मरीजों को इसका लाभ मिल सकेगा। आचार्य तुलसी कैंसर अस्पताल की निदेशक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. नीति शर्मा ने पेलिएटिव केयर के अतिरिक्त कैंसर अस्पताल में मरीजों के लिए चलाए जा रहे अन्य प्रोजेक्ट्स की जानकारी दी। संस्थान में आगामी वर्षों में चलाए जाने वाले प्रोजेक्ट्स से जुड़े प्रस्ताव रखे। सिपला फाउण्डेशन की ओर से डॉ. धनश्री ने बताया कि संस्थान द्वारा देश के 36 संस्थानों में 46 प्रोजेक्ट्स चलाए जा रहे हैं। इनसे प्रतिवर्ष 50 हजार से अधिक मरीज एवं उनके परिजन लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

पेलिएटिव केयर सेंटर के इंचार्ज डॉ. यूनूस खिलजी ने बताया कि पेलिएटीव केयर मरीज के कैंसर उपचार के साथ साथ चलती है। इस दौरान कैंसर ट्रीटमेंट करने वाली टीम के साथ समन्वय स्थापित कर अत्यधिक दर्द एवं अन्य लक्षणों का उपचार किया जाएगा। डॉ. राजकुमार निर्वाण ने बताया कि मरीज के साथ उनके परिवार (केयर गिवर) को भी विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन एवं सहयोग किया जाएगा। डॉ. यूनुस ने बताया कि कानून मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल के विशेष प्रयास से यह शुरुआत हो सकी है। इनके अलावा डॉ. एस.एस. कुमार, एम्स दिल्ली की डॉ. सुषमा भटनागर, सीएस सिपला राजेन्द्र चोपड़ा, सीईओ सिपला अनुराग मिश्रा, आईआरएस इंद्र सोलंकी और तरूण शर्मा का इसकी स्थापना में विशेष सहयोग रहा। डॉ. खिलजी इस केंद्र के इंचार्ज होंगे। वरिष्ठ विशेषज्ञ कैंसर रोग डॉ. राजकुमार निर्वाण, सहायक आचार्य पेलिएटीव डॉ. मंजू चौधरी, डॉ. किरत अबासी, फिजियोथैरेपिस्ट परवेज भाटी, पेलिएटिव ओपीडी इंचार्ज नर्सिंग ऑफिसर अनिल मीणा, नर्सिंग ऑफिसर एहतिसाम एवं एनिमोल पी. एवं कैलाश मेघवाल इस टीम में शामिल होंगे। इस दौरान केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने होमकेयर सर्विस टीम को हरी झंडी दिखाई। उन्होंने बताया कि यह टीम घर बैठे मरीज को पेलिएटिव सर्विस उपलब्ध करवाएगी।

गोगुंदा इलाके में दो तेंदुए पकड़ में आए

उदयपुर। उदयपुर जिले के गोगुंदा कस्बे में, 'आदमखोर' तेंदुए के आतंक से परेशान निवासियों को थोड़ी राहत मिली है क्योंकि सोमवार रात दो तेंदुए अलग–अलग पिंजरे में फंस गए। पिछले सप्ताह तेंदुए के हमले में तीन लोगों की मौत के बाद इलाके में दहशत फैल गई थी। तेंदुओं को पकड़ने के लिए सेना की मदद ली गई थी। इलाके में 'आदमखोर' तेंदुए द्वारा 16 वर्षीय लड़की, 50 वर्षीय पुरुष और 40 वर्षीय महिला का शिकार किए जाने के बाद वन विभाग ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर तलाशी अभियान शुरू किया। हिंसक जानवरों का पता लगाने के लिए शनिवार को भारतीय सेना की एक टीम को भी बुलाया गया।

सिरोही में गणेश मंदिर के पुजारी की धारदार हथियार से हत्या

सिरोही ।राजस्थान क सिरोही सदर थाना क्षेत्र के कृष्णगंज में सोमवार रात को गणेश मंदिर के पुजारी की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। ग्रामीणों ने एक आरोपी को पकड़ लिया है। पुलिस मौके पर पहुंची है। दो बदमाशों ने कड़ा छीनने का विरोध करने पर वारदात को अंजाम दिया। मामले में हिन्दू संगठनों ने आरोपियों को गिरफ्तार कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। कृष्णगंज के गणेश जी मंदिर में रहने वाले 70 वर्षीय साधु सेलम गिरी की सोमवार देर रात को दो अज्ञात बदमाशों ने मंदिर में घुसकर निर्मम हत्या कर दी। घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी, जिसपर सदर थाना अधिकारी हंसाराम सिरवी मय जाप्ता मौके पर पहुंचे।

सीओ मुकेश चौधरी ने कहा कि पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से दो बदमाशों को दस्तयाब किया है। मृतक साधु के शव को मोर्चरी में रखवाया है। पुलिस पकड़े गए दोनों बदमशों से सख्ती से पूछताछ कर रही है। सदर थाना अधिकारी हंसारामा सिरवी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दो बदमाशों को हिरासत में लिया। पूछताछ में सामने आया कि बदमाशों ने साधु के हाथ में पहना कड़ा छीनने का प्रयास किया. इसपर साधु ने विरोध किया तो बदमाशों ने उनपर धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी।

समावेशी विकास सनातन संस्कृति का अंग : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को राष्ट्र मण्डल संसदीय संघ भारत क्षेत्र की कार्यकारी समिति का सदस्य बनाया गया है। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला इस समिति के अध्यक्ष होंगे। यह समिति राष्ट्र मण्डल संसदीय संघ की महत्वपूर्ण समिति है। समिति संघ के संविधान, विभिन्न गतिविधियों के कलैण्डर निर्माण और इसकी विभिन्न राज्यों की शाखाओं से आने वाले सुझावों पर चर्चा कर निर्णय लेगी। दिल्ली में लोक सभा में चल रहे दसवें राष्ट्र मण्डल संसदीय संघ के सम्मेलन में कार्यकारी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में संघ के इस वर्ष आयोजित किये जाने वाले कर्यक्रमों पर निर्णय लिया गया।

राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ भारत क्षेत्र के दसवें सम्मेलन को संबोधित करते हुए विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि समावेशी विकास हमारी सनातन संस्कृति का अंग है। सर्वे भवन्तु सुखिनः भारत की परम्परा है। उन्होंने कहा कि विकास सतत होने के साथ समावेशी, सर्वस्पर्शी और सर्वव्यापी होना चाहिए ताकि उसका लाभ प्रत्येक वर्ग को मिल सके। उन्होंने कहा कि विधायिका विकास की आधारशिला है।

अंत्योदय के प्रेरणास्त्रोत थे पं. दीनदयाल उपाध्याय : मुख्यमंत्री योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बाराबंकी/लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय के प्रेरणास्त्रोत थे और उन्होंने हर हाथ को काम तथा हर खेत को पानी देने का आह्वान किया। एक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती की पूर्व संध्या पर मंगलवार को बाराबंकी के विजय पार्क में उनकी प्रतिमा का अनावरण किया। योगी ने साथ ही राजकीय इंटर कॉलेज में पं. दीनदयाल उपाध्याय के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन और प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय ने अंत्योदय की बात करते हुए कहा था कि आर्थिक उन्नति व प्रगति का मानक ऊंचे पायदान पर खड़े व्यक्ति से नहीं, बल्कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति से की जानी चाहिए।

योगी ने कहा कि भाजपा हो या अन्य राजनीतिक दलों के एजेंडे का हिस्सा गांव-गरीब, किसान व महिलाएं बनी हैं और बिना भेदभाव शासन की योजनाओं का लाभ हर तबके तक पहुंच रहा है तो स्वतंत्र भारत में इसके लिए जिस प्रखर प्रवक्ता का नाम आया है, वह पं. दीनदयाल उपाध्याय हैं। उन्होंने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय ने सात दशक पहले जो सपने देखे थे, उसे साकार करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की राजग (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज देश के अंदर कोरोना जैसी महामारी से निरंतर 80 करोड़ लोगों को फ्री राशन की सुविधा मिल रही है, 12 करोड़ शौचालय का निर्माण किया गया, आयुष्मान कार्ड के तहत पांच लाख रुपए की बीमा की सुविधा दी जा रही है।

डीवीसी मुख्यालय के प. बंगाल से स्थानांतरित होने पर कोई आपत्ति नहीं : ममता

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को कहा कि केंद्र सरकार दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) मुख्यालय को कोलकाता से बाहर स्थानांतरित कर सकती है। उन्होंने कहा कि वह नहीं चाहतीं कि यहां ऐसा निकाय रहे जो जलाशयों से राज्य में पानी छोड़ता है, जिससे लोगों की मौत होती है।

ममता की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय के तहत काम करने वाले डीवीसी द्वारा प्रबंधित बांधों से पानी छोड़े जाने के बाद राज्य के दक्षिणी हिस्से के कई जिले जलमग्न हो गए।

मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा, ''उन्हें (केंद्र को) इसे (डीवीसी मुख्यालय) ले जाने दीजिए। मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने कोलकाता से सब कुछ हटा दिया है और कुछ भी नहीं बचा है। वे कोलकाता में एक इमारत (डीवीसी मुख्यालय) रखेंगे, लेकिन कोलकाता की बात नहीं सुनेंगे तथा पानी छोड़ना जारी रखेंगे जिससे बंगाल में बाढ़ आएगी और लोग मरेंगे।'' उन्होंने कहा कि राज्य में बाढ़ में 28 लोगों ने अपनी जान गंवाई। बीरभूम के आधिकारिक दौरे पर पहुंची ममता ने कहा, ''हमें ऐसा निकाय नहीं चाहिए, जो पानी छोड़े और लोगों को मारे। डीवीसी की स्थापना लोगों को बाढ़ के कहर से बचाने के लिए की गई थी।''

ओडिशा में पेंशन के लिए दो किमी. घुटनों के बल चलकर पंचायत कार्यालय पहुंची बुजुर्ग महिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

क्योंझर/भाषा। ओडिशा के क्योंझर जिले में 70 वर्षीय एक महिला के वृद्धावस्था पेंशन लेने के लिए अपने घर से पंचायत कार्यालय तक लगभग दो किलोमीटर तक घुटनों के बल चलकर पहुंचने का मामला सामने आया है। क्योंझर मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी का गृह जिला है। बीमार बुजुर्ग महिला की पहचान पथुरी देहुरी के रूप में हुई है, जो रायसुआं ग्राम पंचायत की निवासी है और चल नहीं सकतीं।

गांव की सड़क पर घुटनों के बल चलते हुए देहुरी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। रायसुआं ग्राम पंचायत के सरपंच बागुन चंपिया ने बताया कि उन्होंने टेलीविजन पर सड़क पर घुटनों के बल जाती हुई वृद्ध महिला की खबर और अखबारों में उसकी तस्वीरें देखने के बाद प्रशासन का ध्यान इस ओर आकर्षित किया।

सरपंच ने कहा, ''मैंने गांव वालों से भी यह पता लगाया है कि महिला अपनी उम्र से संबंधित बीमारी के कारण ठीक से चल नहीं पाती है।'' राज्य सरकार ने इससे पहले अधिकारियों को बुजुर्ग और दिव्यांग लाभार्थियों की पेंशन उनके घर तक पहुंचाने का निर्देश जारी किया था। हालांकि, देहुरी ने कहा कि एक पंचायत अधिकारी ने उन्हें मासिक पेंशन लेने के लिए कार्यालय जाने के लिए कहा था और शनिवार को उन्हें वहां पहुंचने के लिए घुटनों के बल चल कर जाना पड़ा। ग्रामीणों के अनुसार महिला की उम्र 70 वर्ष है और उसके पास वहां पहुंचने के लिए कोई अन्य विकल्प नहीं था। संबंधित ग्राम पंचायत ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के गृह जिले क्योंझर के तेलकोई ब्लॉक के अंतर्गत आती है।

तेलकोई प्रखंड विकास अधिकारी (बीडीओ) गीता मुर्मू ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि वृद्धावस्था पेंशन पहले देहुरी के बैंक खाते में भेजी जाती थी।

उत्तर प्रदेश : ज्ञानवापी के वुजूखाना के सर्वेक्षण मामले में एक अक्टूबर को होगी अगली सुनवाई

प्रयागराज/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने ज्ञानवापी मस्जिद के वुजूखाना के सर्वेक्षण के अनुरोध वाली याचिका पर याचिकाकर्ता को हलफनामा दाखिल कर एक अन्य वादी लक्ष्मी देवी द्वारा पूर्व में दाखिल हलफनामे के बारे में जानकारी देने को कहा। अदालत ने मंगलवार को इस मामले की अगली सुनवाई एक अक्टूबर को निर्धारित की है।

न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने याचिकाकर्ता राखी सिंह द्वारा दायर पुनरीक्षण याचिका पर यह आदेश पारित किया। राखी सिंह ने यह पुनरीक्षण याचिका वाराणसी के जिला न्यायाधीश के 21 अक्टूबर, 2023 को पारित आदेश को चुनौती देते हुए दायर की थी, जिसमें जिला न्यायाधीश ने ज्ञानवापी मस्जिद में वुजूखाना क्षेत्र (कथित शिवलिंग को छोड़कर) का सर्वेक्षण करने का एएसआई को निर्देश देने से मना कर दिया था। वाराणसी की अदालत में श्रृंगार गौरी की पूजा अर्चना वाद में शामिल याचिकाकर्ताओं में से एक राखी सिंह ने अपनी पुनरीक्षण याचिका में दलील दी कि न्याय हित में वुजूखाना क्षेत्र का सर्वेक्षण आवश्यक है क्योंकि इससे अदालत को निर्णय पर पहुंचने में मदद मिलेगी। हिंदू पक्ष के वकील सौरभ तिवारी और अमिताभ त्रिवेदी ने दलील दी कि संपूर्ण संपत्ति का धार्मिक चरित्र निर्धारित करने के लिए वुजूखाना का एएसआई से सर्वेक्षण कराना आवश्यक है। यह सर्वेक्षण उच्चतम न्यायालय के निर्देश के मुताबिक, गैर आक्रामक पद्धति का उपयोग करके संभव है। एएसआई वाराणसी में ज्ञानवापी परिसर का पहले की सर्वेक्षण कर वाराणसी के जिला न्यायाधीश को अपनी रिपोर्ट सौंप चुका है।

त्रिपुरा में 500 उग्रवादियों ने मुख्यमंत्री साहा के समक्ष हथियार डाले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा में प्रतिबंधित समूह 'नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा' (एनएलएफटी) और 'ऑल त्रिपुरा टाइगर फोर्स' (एटीटीएफ) के करीब 500 उग्रवादियों ने मंगलवार को मुख्यमंत्री माणिक साहा के समक्ष अपने हथियार डाले।

सिपाहीजाला जिले के जम्पुइजाला में एक कार्यक्रम में उग्रवादियों का मुख्यधारा में स्वागत करते हुए साहा ने कहा कि उग्रवाद किसी समस्या का समाधान नहीं है। उन्होंने बड़ी संख्या में उग्रवादियों के आत्मसमर्पण के बाद इस पूर्वोत्तर राज्य को ''पूरी तरह से उग्रवाद से मुक्त'' घोषित किया। साहा ने कहा, ''केंद्र और राज्य सरकार विभिन्न योजनाएं शुरू कर स्वदेशी लोगों के सम्पूर्ण विकास के लिए काम करती रही है। मैं हिंसा का रास्ता छोड़ने और मुख्यधारा में शामिल होने वाले लोगों का स्वागत करता हूं।'' एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, ''आज, एनएलएफटी और एटीटीएफ के करीब 500 उग्रवादियों ने यहां आत्मसमर्पण कर दिया और बाकी के कैडर आने वाले दिनों में आत्मसमर्पण करेंगे। इस दौरान उग्रवादियों ने अत्याधुनिक आग्नेयास्त्र सौंप दिए।'' उग्रवादियों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में चार सितंबर को दिल्ली में केंद्र तथा राज्य सरकार के साथ हुए एक समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद आत्मसमर्पण किया है। केंद्र ने दोनों समूहों के उग्रवादियों के पुनर्वास के लिए 250 करोड़ रुपए के वित्तीय पैकेज की घोषणा की है।

भाजपा मुझे 'चोर' दिखाना चाहती है इसलिए जेल में डाला : केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार पर प्रहार तेज करते हुए आरोप लगाया कि उन्हें इसलिए गिरफ्तार किया गया क्योंकि सत्तारूढ़ पार्टी उन्हें ''चोर'' दिखाना चाहती है लेकिन उनके ''कट्टर शत्रु'' भी मानते हैं कि वह भ्रष्ट नहीं हैं।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने पांच अक्टूबर को होने वाले हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए 'आप' प्रत्याशी हरपिंदर सिंह के समर्थन में सिरसा के रानिया विधानसभा क्षेत्र में एक रोडशो किया। केजरीवाल ने आबकारी नीति मामले में उच्चतम न्यायालय द्वारा जमानत दिए जाने पर पिछले सप्ताह तिहाड़ जेल से रिहा होने के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। 'आप' नेता आतिशी ने राष्ट्रीय राजधानी के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है।

रोडशो के दौरान एक सभा को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि उन्हें बिना किसी कारण के जेल में साढ़े पांच महीने बिताने पड़े। उन्होंने कहा, ''मेरी क्या गलती थी? मेरी गलती पिछले 10 साल से दिल्ली का मुख्यमंत्री बने होने की है, मैंने गरीबों के बच्चों के लिए अच्छे सरकारी स्कूल बनवाए। पहले दिल्ली में 7-8 घंटे बिजली कटौती होती थी लेकिन अब चौबीसों घंटे बिजली आती है। क्या ये मेरी गलती है कि मैंने दिल्ली तथा पंजाब में बिजली मुफ्त कर दी?'' उन्होंने कहा, ''मेरी गलती है मैंने बुजुर्ग लोगों के लिए निशुल्क 'तीर्थ यात्रा' शुरू की। दिल्ली और पंजाब में कई काम किए गए। कोई भ्रष्ट व्यक्ति यह नहीं कर सकता।''

हमें अपने एजेंडे में न घसीटें: शीर्ष अदालत ने मिशनरी के खिलाफ एसआईटी जांच याचिका पर कहा

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को एनसीपीसीआर से कहा कि वह मदर टेरेसा द्वारा स्थापित मिशनरीज ऑफ चैरिटी के झारखंड आश्रय गृहों द्वारा कथित तौर पर बेचे गए बच्चों के मामलों की एसआईटी जांच के अनुरोध वाली याचिका को लेकर शीर्ष अदालत को अपने एजेंडे में न घसीटे। न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति नोंगमईकापम कोटिश्वर सिंह की पीठ ने राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) की आलोचना करते हुए आयोग द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया। पीठ ने कहा कि मांगी गई राहत अस्पष्ट है और इस पर विचार नहीं किया जा सकता।

पीठ ने एनसीपीसीआर की ओर से पेश वकील से कहा, ''उच्चतम न्यायालय को अपने एजेंडे में मत घसीटिए। आपकी याचिका में किस तरह की राहत मांगी गई है? हम इस तरह के निर्देश कैसे दे सकते हैं? याचिका को पूरी तरह से गलत तरीके से पेश किया गया है।'' शुरूआत में, एनसीपीसीआर की ओर से पेश वकील ने दलील दी कि याचिका बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए झारखंड में ऐसे सभी संगठनों की शीर्ष अदालत की निगरानी में समयबद्ध जांच के निर्देश के अनुरोध के बारे में है। शीर्ष अदालत ने कहा कि एनसीपीसीआर को बाल अधिकार संरक्षण आयोग (सीपीसीआर) अधिनियम, 2005 के तहत कानून के अनुसार जांच करने और कार्रवाई करने का अधिकार है। पीठ ने याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया और याचिका खारिज कर दी। एनसीपीसीआर ने 2020 में दायर अपनी याचिका में संविधान के अनुच्छेद 23 के तहत गारंटीकृत मानव तस्करी के निषेध के मौलिक अधिकारों को लागू करने का अनुरोध किया था। उसने कहा था कि विभिन्न राज्यों के बाल गृहों में विसंगतियां पाई गई हैं और इसने उन्हें अपनी याचिका में पक्षकार के रूप में जोड़ा है।

मेरा सबसे बड़ा लक्ष्य सिंधू को फिर पोडियम पर जगह दिलाना: श्रीधर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पीवी सिंधू के नए कोच अनूप श्रीधर ने कहा है कि इस स्टार खिलाड़ी में अभी सफलता की भूख है और उनका प्राथमिक लक्ष्य इस दो बार की ओलंपिक पदक विजेता की प्रदर्शन में निरंतरता लाने में मदद करना है।

सिंधू ने पेरिस ओलंपिक खेलों के बाद श्रीधर को ट्रायल के आधार पर कोच बनाया है। तीन ओलंपिक में पहली बार बिना पदक के लौटी सिंधू पिछले तीन सप्ताह से हैदराबाद के गचीबाउली स्टेडियम में बीजिंग ओलंपियन श्रीधर के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग कर रही हैं। संक्षिप्त समय के लिए लक्ष्य सेन को भी कोचिंग देने वाले 41 साल के श्रीधर ने कहा, ''मैंने कुछ हफ्ते पहले सिंधू की टीम से बात की थी और वह इस महीने की शुरुआत से हैदराबाद में मेरे मार्गदर्शन में ट्रेनिंग कर रही हैं। हमने काफी प्रगति की है और दो हफ्ते में हम यूरोप में प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेंगे। '' सिंधू को पेरिस खेलों के प्री क्वार्टर फाइनल में चीन की ही बिंगजियाओ के खिलाफ शिकस्त का सामना करना पड़ा था और वह बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सत्र की पुन: शुरुआत यूरोपीय चरण से करेंगी जिसमें फिनलैंड के वांता में होने वाले चार लाख 20 हजार डॉलर इनामी आर्कटिक ओपन (आठ से 13 अकटूबर) और ओडेनसे में होने वाला आठ लाख 50 हजार डॉलर इनामी डेनमार्क ओपन (15 से 20 अक्टूबर) शामिल है।

पेरिस ओलंपिक के बाद इंडोनेशिया के एंगस ड्वी सांतोसो का अनुबंध खत्म होने के बाद बाकी सत्र के लिए श्रीधर को कोच बनाया गया है। श्रीधर ने कहा, ''मैं चीजों को हफ्ते दर हफ्ते ले रहा हूं। हमने कोई दीर्घकालीन प्रतिबद्धता नहीं की है इसलिए 2025 के लिए योजना बनाना मुश्किल है। हालांकि 2025 में कुछ टूर्नामेंट हैं जिनके दौरान सिंधू का लक्ष्य खेल के शीर्ष पर होना होगा।'' उन्होंने कहा, ''आप शारीरिक रूप से शीर्ष पर पहुंचने की योजना बना सकते हैं लेकिन फॉर्म के लिए नहीं। मेरी नजर अगले साल कुछ प्रतियोगिताओं पर है लेकिन मेरा ध्यान उसके प्रदर्शन की निरंतरता को बेहतर करना व उसे पोडियम पर दोबारा जगह दिलाना है- यही बड़ा लक्ष्य है।''

झारखंड विस चुनाव में धनबल का इस्तेमाल 'बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं' करेंगे: निर्वाचन आयोग

रांची/भाषा। निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को केंद्रीय और राज्य प्रवर्तन एजेंसियों को स्पष्ट किया कि 81 सदस्यीय झारखंड विधानसभा के आगामी चुनाव में धनबल के इस्तेमाल को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने चुनाव आयुक्तों ज्ञानेश कुमार और डॉ. एस एस संधू के साथ यहां चुनाव तैयारियों की समीक्षा की और राजनीतिक दलों, सुरक्षा बलों और अन्य हितधारकों के साथ बैठकें कीं। निर्वाचन आयोग ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''डीआरआई (राजस्व खुफिया निदेशालय), एनसीबी (स्वापक नियंत्रण ब्यूरो), राज्य और केंद्रीय जीएसटी (माल एवं सेवाकर), आरपीएफ (रेलवे सुरक्षा बल), आरबीआई (भारतीय रिजर्व बैंक), राज्य पुलिस, आयकर, प्रवर्तन निदेशालय आदि जैसी 20 केंद्रीय और राज्य प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समीक्षा बैठक के दौरान, आयोग ने प्रलोभन मुक्त चुनावों पर अपने जोर को रेखांकित किया। आयोग ने चुनावों में धनबल के इस्तेमाल के प्रति कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति व्यक्त की।'' सीईसी ने अधिकारियों को आगाह किया कि चुनाव के दौरान जांच के नाम पर जनता को किसी तरह से अनुचित तरीके से परेशान नहीं किया जाए।

हेमंत सोरेन को भाजपा ने षड्यंत्र के तहत जेल भेजा ताकि कल्याणकारी योजनाएं बाधित हों : कल्पना सोरेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गढ़वा/भाषा। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की विधायक कल्पना सोरेन ने आरोप लगाया है कि भाजपा ने जानबूझकर उनके पति हेमंत सोरेन को जेल में डालने की साजिश रची, ताकि कल्याणकारी योजनाओं को कमजोर किया जा सके और उनके क्रियान्वयन में रोड़े अटकाए जा सकें। कल्पना सोरेन ने दावा किया कि भाजपा ''हमारी योजनाओं को रोकने के लिए जनहित याचिकाएं दायर करने के पीछे की मुख्य षड्यंत्रकर्ता है।''

कल्पना ने यहां अगले महीने की शुरुआत में घोषित होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले 'मंईयां सम्मान यात्रा' को हरी झंडी दिखाते हुए सोमवार को कहा, ''विभिन्न कल्याणकारी पहल में देरी करने के लिए भाजपा द्वारा पूर्व नियोजित साजिश के तहत हेमंत जी को जेल में डाला गया। अगर वह पांच महीने तक सलाखों के पीछे नहीं होते, तो सरकार आपके खातों में 'मंईयां सम्मान योजना' की सातवीं किस्त जमा कर देती और आप सभी को 7,000 से 8,000 रुपए मिल चुके होते।''

मंदिरों में लड्डू की जगह इलायची दाना और मिश्री बांटें : साधु-संत

देहरादून/भाषा। तिरुपति बालाजी मंदिर मे प्रसाद में मिलावट का मामला सामने आने के बाद साधु संतों की सर्वोच्च संस्था अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने मंगलवार को कहा कि देशभर के मंदिरों में लड्डू आदि की जगह पारंपरिक रूप से भोग के रूप में चढ़ाए जाने वाले इलायची दाना और मिश्री एवं सूखे मेवे ही भक्तों में बांटे जाने चाहिए। परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी ने कहा कि इस प्रकार का प्रसाद ही सभी मंदिरों में बांटा जाना चाहिए जब तक कि सरकार और मंदिरों का प्रबंधन प्रसाद में मिलाए जाने वाले घी की शुद्धता की गारंटी न ले। उन्होंने कहा, पारंपरिक रूप से इलायची दाना, मिश्री और सूखे मेवे ही हिंदु देवी देवताओं को भोग के रूप में चढ़ाए जाते हैं। भक्तों में उन्हें बांटे जाने से प्रसाद में मिलावट की कोई आशंका नहीं रहेगी।

राहुल द्रविड़ की कार्यशैली 'काफी अनुशासित' थी, गौतम गंभीर उनकी तुलना में सहज हैं : आर अश्विन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। भारतीय टीम के सबसे उम्रदराज सदस्य रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि गौतम गंभीर अपने पूर्ववर्ती राहुल द्रविड़ की तुलना में अधिक सहज हैं, जिनकी कार्यशैली 'बहुत अनुशासित' थी।

द्रविड़ नवंबर 2021 से भारतीय टीम के कोच थे। वह इस जुलाई में भारतीय टीम से अलग हुए। उनकी मौजूदगी में टीम ने टी20 विश्व कप का खिताब जीता। अश्विन ने गंभीर और उनके पूर्ववर्ती कोच के बीच अंतर की ओर इशारा करते हुए कहा कि गंभीर शांत प्रवृत्ति के हैं और उनका रवैया ड्रेसिंग रूम में जीवंत माहौल बनाए रखने में मदद करता है। अश्विन ने अपने यू-ट्यूब चैनल पर कहा, ''मुझे लगता है कि वह (गंभीर) बहुत शांतचित्त हैं। मैं उसे 'रिलैक्स्ड रैंचो (सहज और शांत)' कहना चाहता हूं। उनकी मौजूदगी में कोई दबाव नहीं होता है।'' उन्होंने कहा, '' सुबह में टीम की बैठक को लेकर भी वह काफी सहज रहते हैं। वह आपसे पूछते हैं कि क्या सुबह बैठक में आयेंगे, कृपया आइए।'' अश्विन ने कहा कि गंभीर की तुलना में द्रविड़ का दृष्टिकोण अधिक सख्त और व्यवस्थित था। उन्होंने खुलासा किया, '' राहुल भाई (द्रविड़) चीजों को काफी व्यवस्थित रखना चाहते थे। वह चाहते थे कि किसी बोतल को भी एक विशेष समय पर एक विशेष स्थान पर रखा जाना चाहिए। वह इस मामले में अनुशासित थे।'' इस अनुभवी ऑफ स्पिनर ने कहा, '' गंभीर से वह ऐसी चीजों की उम्मीद नहीं करते हैं। वह ज्यादा कड़ाई करना पसंद नहीं करते हैं। वह सब का ख्याल रखते है और मुझे लगता है कि टीम के सभी खिलाड़ी उन्हें पसंद करेंगे।'' अश्विन ने टेस्ट टीम में वापसी करने वाले भारतीय विकेटकीपर ऋषभ पंत की भी तारीफ की। पंत ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में शतक लगाकर वापसी को यादगार बनाया। अश्विन ने महसूस किया कि इस युवा खिलाड़ी का जन्म क्रिकेट के लिए हुआ है और अक्सर उनकी क्षमताओं को कम करके आंका जाता है।

भारतीय स्पिनरों की गेंद का अंदाजा लगाना न्यूजीलैंड के लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी : गुप्टिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर/भाषा। न्यूजीलैंड के पूर्व सलामी बल्लेबाज मार्टिन गुप्टिल का मानना है कि भारत के आगामी टेस्ट दौरे पर उनकी टीम बल्लेबाजों के लिए सबसे बड़ी चुनौती स्पिन गेंदबाजों से निपटने की होगी। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के शुरुआती चक्र (2019-21) का फाइनल खेलने वाली भारत और न्यूजीलैंड की टीमें 16 अक्टूबर से तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला में खेलेगी। इस श्रृंखला के मैच बेंगलूरु, पुणे और मुंबई में खेले जायेंगे।

गुप्टिल ने मंगलवार को यहां लीजेंड्स लीग क्रिकेट के इतर 'पीटीआई' को दिये साक्षात्कार में कहा, '' भारत में आपको कभी-कभी लगता है कि आप रन बना ही नहीं सकते हैं। भारत की सबसे कठिन बात यह है कि यहां गेंद की स्पिन का अंदाजा लगाना मुश्किल है। कई बार गेंद जरूरत से ज्यादा टर्न होती है तो कई बार सीधी रह जाती है।'' उन्होंने कहा, ''आप कभी नहीं जानते कि कौन सी गेंद टर्न लेने वाली है और कौन सी सीधी जाने वाली है। ऐसे में आपको हमेशा सोचते रहना होगा, आपको मानसिक रूप से हमेशा मजबूत और अपने खेल में शीर्ष पर रहना होगा।''

सुविचार

खुशी के फूल उन्हीं के झोली में गिरते हैं, जो अपनों से अपनों की तरह हर सुबह मिलते हैं!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अर्थव्यवस्था की ‘ड्राइविंग सीट’

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यह कहकर निजी क्षेत्र के बढ़ते महत्त्व को उजागर किया है कि वह देश की अर्थव्यवस्था की गाड़ी की ‘ड्राइविंग सीट’ पर बैठा हुआ है। इसमें कोई संदेह नहीं कि निजी क्षेत्र की मेहनत, कौशल और संकल्प की शक्ति से आज भारत पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। निकट भविष्य में जब यह तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा तो उसमें निजी क्षेत्र का बहुत बड़ा योगदान होगा। अगर आजादी के तुरंत बाद इस क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए पर्याप्त उपाय किए गए होते तो आज हमारा देश दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होता। दुर्भाग्य से, हमने पूर्व में कई गलतियां कीं। निजी क्षेत्र की गलत छवि पेश कर लोगों, खासकर किशोरों व युवाओं के मन में यह धारणा मजबूती से बैठा दी गई कि ’अगर आप अपनी मेहनत और पूंजी से कोई उद्यम स्थापित करते हैं, समृद्ध होते हैं तो बहुत गलत करते हैं ... क्योंकि इससे शोषण का मार्ग खुलता है!’ तो शिक्षा का उद्देश्य क्या होना चाहिए? यह खूब दिखाया-बताया गया कि शिक्षा का एकमात्र उद्देश्य सरकारी नौकरी हासिल करना है। जिसे सरकारी नौकरी मिल गई, उसका जीवन सफल हो गया! यह सोच आज तक मौजूद है। देश तरक्की करे, उसमें खुशहाली आए, इसके लिए बहुत जरूरी है कि निजी क्षेत्र और सार्वजनिक क्षेत्र, दोनों को आगे बढ़ाया जाए। सरकारी कर्मचारियों ने देश की बहुत सेवाएं की हैं, वे आज भी कर रहे हैं। इसके साथ हमें यह स्वीकार करना होगा कि निजी क्षेत्र के कर्मचारियों ने भी देश की बहुत सेवाएं की हैं, वे लगातार सेवाएं कर रहे हैं।

यह तर्क सही नहीं है कि अगर देश को आर्थिक महाशक्ति बनाना है तो सिर्फ एक क्षेत्र को अहमियत मिलनी चाहिए। दोनों क्षेत्रों की अपनी-अपनी खूबियां हैं, विशेषज्ञताएं हैं, अनुभव है, लिहाजा दोनों का होना और उन्हें बढ़ावा मिलना जरूरी है। भारत के निजी क्षेत्र में बहुत सामर्थ्य है। अगर यहां बच्चों को स्कूली पढ़ाई के दिनों से ही उद्यमिता के लिए प्रेरित किया जाए तो अगले एक-दो दशकों में बहुत बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। स्कूल और कॉलेज की पढ़ाई के बाद लाखों अभ्यर्थी वर्षों तक अपनी ऊर्जा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में लगाते हैं। उन पर परिवारों और रिश्तेदारों का काफी दबाव होता है। युवावस्था में सबसे बड़ी ख्वाहिश यह हो जाती है कि किसी तरह से एक सरकारी नौकरी मिल जाए! सरकारी नौकरियों की इस दौड़ में कितने युवा सफल हो पाते हैं? थोड़े-से, वे भी कई वर्षों की मेहनत के बाद। जो युवा देशसेवा के लिए सरकारी नौकरी में जाना चाहते हैं, उन्हें जाना चाहिए, लेकिन हर युवा इसी दौड़ में शामिल हो जाए कि ’मुझे तो सरकारी नौकरी ही करनी है’, यह सोच अर्थव्यवस्था को मजबूत नहीं बना सकती। आज अमेरिका के पास इतनी शक्तिशाली कंपनियां हैं, जो नए बदलाव की वाहक हैं, उनके जरिए दुनियाभर के करोड़ों लोगों को रोजगार मिल रहा है! अगर उनके संस्थापकों के बारे में पढ़ें तो पता चलता है कि ज्यादातर तो सामान्य आर्थिक पृष्ठभूमि वाले परिवारों से हैं। उनके मन में एक विचार पैदा हुआ, उन्होंने उस पर काम किया, सिस्टम ने उनका सहयोग किया और वे बुलंदियों तक पहुंच गए। वहां अपना कारोबार शुरू करना (तुलनात्मक रूप से) आसान है, जबकि भारत में (कुछ साल पहले तक और आज भी कई इलाकों में) अपनी दुकान के लिए बिजली-पानी का कनेक्शन लेना हो तो सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने होते हैं। कई जगह रिश्वत देनी पड़ती है। होना तो यह चाहिए कि अगर किसी को छोटी-सी दुकान भी खोलनी हो तो बिजली कनेक्शन से लेकर बैंक खाता खोलने तक, सभी काम एक दिन में हो जाएं और उस व्यक्ति को कहीं चक्कर न लगाने पड़ें। जब कारोबार करना आसान हो जाएगा तो युवा इसमें रुचि जरूर लेंगे।

ट्वीटर टॉक

आज भाजपा प्रदेश कार्यालय में कार्यकर्ताओं और आमजनों से मुलाकात हुई। इस दौरान उनकी समस्याओं को सुना और उनके निवारण हेतु आवश्यक निर्देश दिए। कार्यकर्ताओं और आमजनों द्वारा किए गए स्वागत-सत्कार के लिए सभी का सहृदय धन्यवाद!

-मदन राठौड़

पेरिस में अखिल भारतीय सांस्कृतिक संघ और यूनेस्को द्वारा आयोजित इंटर कल्चरल ‘ओलिंपियाड 2024’ में जयपुर घराने के शुद्ध कथक की शानदार प्रस्तुति देकर ’स्वर्ण पदक’ जीतने वाली अदिति ब्रह्मभट को हार्दिक बधाई!

-दीया कुमारी

रेल यात्रा को सुगम व सुरक्षित बनाने के लिए प्रतिबद्ध आरपीएफ के जवानों को रेलवे सुरक्षा बल के स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। रेल यात्रियों और रेलवे की सम्पत्तियों की सुरक्षा के लिए आपकी कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण और जज्बा अनुकरणीय है।

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

स्वाभिमान और परिश्रम

डेनियल की मां गरीब जरूर थी, परंतु थी बड़ी स्वाभिमानी। वह अस्पताल में नर्स का काम करती थी। अपने वेतन से अपना तथा बच्चों का गुजारा करती। वह सात्विकता और सरलता की मूर्ति थी। डेनियल स्कूल से लौटा तो उसने बताया, ‘स्कूल की ओर से उसे निर्धन छात्रों को मिलने वाले फंड से ये कपड़े तथा पाठ्य-पुस्तकें दी गई हैं।’ यह सुनते ही मां ने कहा, ‘जाओ इन सब वस्तुओं को वापस करके आओ। यह उन निर्धन छात्रों को दी जाने जानी चाहिए जो अनाथ हैं तथा जिनके मां-बाप कमाने की स्थिति में नहीं हैं। मैं बड़े आराम से अपनी मेहनत से प्राप्त वेतन से तुम्हारे कपड़ों व पाठ्य-पुस्तकों की व्यवस्था कर सकती हूं।’ डेनियल तुरंत तमाम वस्तुएं सधन्यवाद लौटा आया। डेनियल ने आगे चलकर संसार के अग्रणी कवियों में स्थान प्राप्त किया।

सामयिक

हिंदी में डॉक्टरी की पढ़ाई का फैसला अच्छा पर चुनौतियां भी कम नहीं

राजेश जैन
मोबाइल : 8890602744

अब राजस्थान में भी डॉक्टरी की पढ़ाई हिंदी मीडियम से होगी। फिलहाल जोधपुर के सम्पूर्णानंद और बाड़मेर मेडिकल कॉलेज में हिंदी में पढ़ाएंगे। इन दोनों मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को विकल्प के आधार पर अंग्रेजी एवं हिंदी दोनों माध्यमों में शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिल सकेगा। शिक्षाशास्त्रियों का एक वर्ग लंबे समय से हिंदी या क्षेत्रीय भाषाओं में चिकित्सा शिक्षा पर जोर देता आया है। इनका मानना है मातृभाषा में चिकित्सा की पढ़ाई करने वालों में मरीजों के साथ संवाद में आत्मविश्वास ज्यादा होता है। चीन, रूस, जापान, जर्मनी, फ्रांस, किर्गिस्तान, फिलीपींस आदि देशों का हवाला भी दिया जाता है, जहां स्थानीय भाषाओं में चिकित्सा की पढ़ाई होती है। कहा जाता है कि ये लोग अपनी भाषा में काम कर सकते हैं तो हम क्यों नहीं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में भी कहा गया है कि छात्रों को शिक्षा उनकी मातृभाषा में दिलाई जाए। इसमें उच्च शिक्षा और तकनीकी शिक्षा अंग्रेजी के साथ-साथ क्षेत्रीय भाषाओं में भी मुहैया कराए जाने की बात कही गई है। ऐसे में मेडिकल के कोर्स को हिंदी में ढालने का काम चल रहा है। इसी के मद्देनजर मध्यप्रदेश, बिहार, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के बाद अब राजस्थान और छत्तीसगढ़ सरकार ने भी मेडिकल स्टूडेंटस के लिए घोषणा की है। यहां मौजूदा एकेडमिक सेशन 2024-25 से एमबीबीएस की पढ़ाई हिंदी में शुरू होगी। हिंदी में मेडिकल की पढ़ाई कितनी कारगर और उपयोगी हो पाएगी, इस बारे में चिकित्सा जगत में दो तरह के विचार हैं। एक ओर कहा जा रहा है कि आधी-अधूरी तैयारी के साथ उठाया कदम परेशानी खड़ी करेगा। शिक्षक हिंदी में पढ़ने के लिए प्रशिक्षित नहीं है। हिंदी मीडियम की अनुवादित किताबें भी परेशानी का सबब बन सकती है जबकि इस मुहिम से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि यह शुरुआती कदम है। इसमें आगे सुधार होगा। फिलहाल इस शुरुआत का स्वागत किया जाना चाहिए।

युवाओं को होगा फायदा

सरकारी पक्ष का कहना है कि हिंदी मीडियम से पढ़े लाखों स्टूडेंट्स कड़ी मेहनत करके नीट की परीक्षा देते हैं। कई पास भी हो होते है पर उनको मेडिकल कॉलेज में अचानक अंग्रेजी भाषा में पढ़ना पड़ जाता है। ऐसे में कुछ बीच में ही मेडिकल की पढ़ाई ही छोड़ देते हैं। सरकार के इस कदम से उन युवाओं की बड़ी साध पूरी होगी जो डॉक्टर तो बनना चाहते हैं पर, अंग्रेज़ी पर पकड़ न होने के कारण उनके सपनों पर कुठाराघात हो जाता है। अब उन्हें सिलेबस को पढ़ने और समझने में आसानी होगी। एक फायदा यह भी होगा कि हिंदी माध्यम से पढ़े-लिखे डॉक्टर हिंदी पट्टी के ग्रामीण इलाकों के मरीजों से भी अच्छी तरह जुड़ाव महसूस कर सकेंगे। उनकी बातें ठीक से समझेंगे, तकलीफ ठीक से समझेंगे, तो इलाज करने में भी आसानी हो जाएगी।

मेडिकल की किताबें हिंदी में आ जाने से ऐसे छात्रों का हौसला बढ़ेगा, जिन्हें अंग्रेजी माध्यम की किताबें बोझ लगती हैं। अगर मेडिकल टर्म या शरीर के अंगों के प्रचलित नामों को जस का तस छोड़ दिया जाए और बाकी बातों को हिंदी में समझाकर लिख दिया जाए, तो फायदा हो सकता है।

चुनौतियां भी कम नहीं

यह तय है कि देश ने एक बड़ा और क्रांतिकारी कदम उठाया है। लेकिन रातोंरात पूरा सीन बदलने की उम्मीद नहीं की जा सकती। अभी शुरुआती कदम उठाए गए हैं, आगे आने वाली चुनौतियों से पार पाना बाकी है। हिन्दी में मेडिकल शिक्षा को लेकर कई चुनौतियां हैं जैसे हिंदी में एमबीबीएस की डिग्री हिंदी भाषी इलाके के बाहर कितनी मान्य होगी। मेडिकल शब्दावली के अनुवाद से कन्फ़्यूज़न हो सकता है। अगर कोई छात्र पीजी कोर्स के लिए दूसरे देश में जाएगा, तो वहां पढ़ाई कर पाने में दिक्कत आ सकती है।

पाठ्यक्रम के अनुवाद की चुनौती

मेडिकल शिक्षा का सारा पाठ्यक्रम, अच्छी किताबें अंग्रेजी में हैं। यह प्रयोग नया है इसलिए हिंदी में मेडिकल की ज्यादा किताबें उपलब्ध नहीं हैं। कई मेडिकल टर्म का ट्रांसलेशन नहीं हो सका है। जैसे फीमर हड्डी को हिंदी में फीमर ही कहा जा सकता है, ऐसे हजारों शब्द हैं। ऐसे में शुद्ध हिंदी के शब्द उलझन का कारण बन सकते हैं। जरूरी है कि सबसे पहले हिंदी में मेडकिल और साइंटिफिक शब्द बनें। अधिकांश ऐसे अंग्रेजी नाम, जिनके कठिन हिंदी नाम होते हैं, उनमें बदलाव नहीं किया जाना चाहिए। उदाहरण के तौर पर लीवर, किडनी, स्पाइन, प्लाज्मा, हार्मोन्स, एंजाइम, जेनेटिक्स, एलर्जी, पैथोलॉजी, कीमोथेरेपी, टॉक्सिकोलॉजी, कार्डियो वैस्कुलर सिस्टम, अपर लिंब, एब्डोमेन, पेल्विस, ब्रेन जैसे शब्दों के अनुवाद की कोशिश नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा चिकित्सा जगत से जुड़े शिक्षकों को अभी हिंदी मीडियम में पढ़ाने की ट्रेनिंग नहीं दी गई है। पहले इसके लिए ट्रेनिंग देनी होगी और जब शिक्षक ट्रेनिंग के बाद कॉन्फिडेंट हो जाए, उसके बाद ही हिंदी में एमबीबीएस कोर्स उचित है।

उच्च शिक्षा और रिसर्च में होगी मुश्किल

अभी भी मेडिकल फील्ड में उच्च शिक्षा अंग्रेजी में ही है और दुनिया भी अंग्रेजी में ही उच्च शिक्षा मेडिकल में चला रही है। जिस तरह एमबीबीएस के लिए एंट्रेंस टेस्ट पास करना होता है, उसी तरह पीजी कोर्स के लिए भी भारी-भरकम परीक्षा पास करनी होती है। देशभर में पीजी कोर्स के लिए सीटें भी सीमित ही हैं। ऐसे में हिंदी माध्यम से एमबीबीएस करने वाले को अगर दक्षिण भारत के किसी कॉलेज में दाखिला लेना पड़ गया, तो उनकी आगे की पढ़ाई किस भाषा में होगी? हिंदी, अंग्रेजी, कन्नड़, तमिल, मलयालम या कुछ और?

पूरा मेडिकल सेक्टर बड़ी तेजी से बदल रहा है। हर रोज नई-नई रिसर्च और जानकारियां सामने आ रही हैं। हाई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल बढ़ता जा रहा है और पूरा सिस्टम तेजी से अपडेट हो रहा है। ये सब कुछ ’ग्लोबल लैंग्वेज’ अंग्रेजी में हो रहा है। मना कि जो स्टूडेंट पांच साल में डॉक्टर बनेगा, माना वो हिंदी में पीजी भी कर लेगा, लेकिन फिर वो कांफ्रेंस कैसे प्रजेंट करे करेगा, थीसिस कैसे करेगा। हिंदी मीडियम से पढ़े डॉक्टर एमबीबीएस की पढ़ाई के बाद फेलोशिप, रिसर्च या नौकरी के लिए विदेश कैसे जा सकेंगे? आशंका यह भी है कि कहीं हिंदी उन्हें एक खास भौगोलिक सीमा में बांध न दे।

दूसरे देशों में प्रैक्टिस करने में आएगी दिक्कत

जो अंग्रेजी के पक्ष में हैं, उनका तर्क है कि अभी मेडिकल का सिलेबस पूरी दुनिया में एक जैसा है, क्योंकि मानव शरीर की रचना एक जैसी ही है। इस वजह से इसका मीडियम भी सबके लिए अंग्रेजी ही रहे, तो पूरी दुनिया को सहूलियत होगी। चीन जापान और रूस जैसे देशों में वहां की भाषा में मेडिकल की पढ़ाई होती है। लेकिन इन देशों की दुनिया भर के मेडिकल फील्ड में कोई बेहतर छवि नहीं है। ऐसे में बड़ी चिंता यह भी है कि हिंदी माध्यम से पढ़ाई करने वाला डॉक्टर कहीं स्थानीय स्तर पर सिमट कर ना रह जाए। अब तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय डॉक्टरों का दर्जा उन तमाम देशों में जहां उनकी भाषा में मेडिकल की पढ़ाई होती है, से ऊपर रहा है लेकिन हिंदी मीडियम में पढ़ने वाले छात्र इस भाषा में कंफर्टेबल हो जाएंगे, जिससे उन्हें अंग्रेजी भाषा में पढ़ने या भविष्य में दूसरे देशों में प्रैक्टिस में दिक्कत होगी। यही नहीं, हिंदी मीडियम में पढ़ाई करने वाले छात्रों को भारत में ही कई जगहों पर दिक्कत हो सकती है। यहां तक कि गैर हिंदी भाषी राज्यों में भी काम करने और काम मिलने में कठिनाई हो सकती है।

बहरहाल, मेडिकल की किताबें हिंदी में आ जाने से ऐसे छात्रों का हौसला बढ़ेगा, जिन्हें अंग्रेजी माध्यम की किताबें बोझ लगती हैं। अगर मेडिकल टर्म या शरीर के अंगों के प्रचलित नामों को जस का तस छोड़ दिया जाए और बाकी बातों को हिंदी में समझाकर लिख दिया जाए, तो फायदा हो सकता है। हिंदी मीडियम वाले डॉक्टर को फिलहाल किसी विदेशी एक्सपर्ट के सेमिनार में जाकर नई चीजों को सुनने-समझने में कठिनाई हो सकती है। लेकिन यह समस्या भी दूर होगी, जब हिंदी मीडियम वाले खुद ही एक्सपर्ट न बन जाएंगे। ऐसे में हिंदी मीडियम वालों से बड़ी हिम्मत और सब्र रखे जाने की दरकार होगी। कुल मिलाकर, अपनी भाषा में मेडिकल शिक्षा हमारे लिए गर्व की बात है, हर नई चीज को अपनाने में शुरू-शुरू में दिक्कत होती है। लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि हारकर हाथ पर हाथ धरकर बैठ जाया जाए। हिंदी मीडियम वालों को अपने कदम मजबूती से टिकाए रखने की जरूरत है। यह उपक्रम भाषा के तौर पर हिंदी की यात्रा में ऐतिहासिक बदलाव लाने वाला भी साबित होगा। इससे हिंदी के भावी स्वरूप पर बड़ा पड़ेगा।

नजरिया

योग एवं योग-निद्रा के चमत्कारी प्रभाव से वैज्ञानिक सहमत

ललित गर्ग

विश्व में भारतीय योग की प्रासंगिकता एवं उपयोगिता दिनोंदिन बढ़ती जा रही है, योग के चमत्कारी प्रभावों को अब विज्ञान भी स्वीकारने लगा है। अमेरिका, यूरोप व खासकर चीन में योग को लेकर बड़े शोध किए जा रहे हैं। कुछ समय पहले नोबेल पुरस्कार के सम्मानित एक अमेरिकी न्यूरो सर्जन ने माना था कि प्राणायाम मानसिक रोगों के उपचार में सबसे ज्यादा प्रभावी है। हाल ही में आईआईटी व एम्स दिल्ली द्वारा एमआरआई के जरिये कराये गए एक अध्ययन में इस बात की पुष्टि हुई कि योग निद्रा से न केवल नींद की गुणवत्ता बढ़ती है बल्कि मन के भटकाव को रोककर नींद को भी नियंत्रित किया जा सकता है। योग अनेक असाध्य बीमारियों को नियंत्रित करने में मददगार साबित हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार को देश-विदेश में योग को प्रतिष्ठित करने तथा एलोपैथी व अन्य भारतीय चिकित्सा विधाओं में समन्वय की दिशा में सार्थक पहल करने का श्रेय दिया जाना चाहिए। उनके प्रयत्नों से भारतीय योग एवं ध्यान के माध्यम से भारत दुनिया में गुरु का दर्जा एवं एक अनूठी पहचान हासिल करने में सफल हो रहा है।

आज हर व्यक्ति एवं परिवार अपने दैनिक जीवन में अत्यधिक तनाव/दबाव एवं अनिद्रा महसूस कर रहा है। हर आदमी संदेह, अंतर्द्वंद्व और मानसिक उथल-पुथल की जिंदगी जी रहा है। मनुष्य के सम्मुख जीवन का संकट खड़ा है। मानसिक संतुलन अस्त-व्यस्त हो रहा है। मानसिक संतुलन का अर्थ है विभिन्न परिस्थितियों में तालमेल स्थापित करना, जिसका सशक्त एवं प्रभावी माध्यम योग ही है। योग एक ऐसी तकनीक है, एक विज्ञान है जो हमारे शरीर, मन, विचार एवं आत्मा को स्वस्थ करती है। यह हमारे तनाव एवं कुंठा को दूर करती है। जब हम योग करते हैं, श्वासों पर ध्यान केन्द्रित करते हैं, प्राणायाम और कसरत करते हैं तो यह सब हमारे शरीर और मन को भीतर से खुश और प्रफुल्लित रहने के लिये प्रेरित करती है।

नये शोध से तथ्य सामने आया है कि नियमित योग व ध्यान करने वाले प्रतिभागियों की नींद को नियंत्रित करने की क्षमता सामान्य प्रतिभागियों से अधिक पायी गई। इस नये वैज्ञानिक शोध में ऐसे कई महत्वपूर्ण खुलासे हुए। निस्संदेह, जिन लोगों को कई तरह के मनोकायिक रोग होते हैं, उनके लिये

योग निद्रा रामबाण सिद्ध हो सकती है। यही वजह है कि अमेरिका व आस्ट्रेलिया आदि देशों में व्यावसायिक तनाव कम करने हेतु योग निद्रा पर जोर दिया जाता है। दिल्ली में हुए शोध में योग निद्रा से चेतना के उच्चतम स्तर को हासिल करने के तथ्य को भी स्वीकारा गया। शोधकर्ताओं ने माना कि योग निद्रा के जरिये गहरे अवचेतन मन में दबी कुंठाओं को मानसिक सतह पर लाकर, कालांतर उनसे मुक्ति में मदद मिलती है। जिससे व्यक्ति की सेहत में सुधार होता है। पिछले दिनों कनाडा के ओंटेरियो यूनिवर्सिटी में हुए एक अध्ययन के अनुसार कुंठा और तनाव के लगभग 64 प्रतिशत मरीजों ने माना कि उन्हें इस बात का अंदाज नहीं था कि उनकी खास बीमारी की वजह अंदर दबा गुस्सा हो सकता है। यह गुस्सा दूसरों की वजह से शुरू होता है और अंततः इसे आप अपने ऊपर निकालने लगते हैं। कुछ मामलों में मरीजों ने अपने आपको नुकसान भी पहुंचाया।

विज्ञान ने यह प्रमाणित कर दिया है- जो व्यक्ति स्वस्थ रहना चाहता है, उसे योग को अपनाना होगा। बार-बार क्रोध करना, चिड़चिड़ापन आना, नींद न आना, मूड का बिगड़ते रहना- ये सारे भाव हमारी समस्याओं से लड़ने की शक्ति को प्रतिहत करते हैं। इनसे ग्रस्त व्यक्ति बहुत जल्दी बीमार पड़ जाता है। हमें अपनी भीतरी योग्यताओं और क्षमताओं को किसी दायरे में बांधने से बचना होगा। ऐसा तब होगा, जब हम योग को अपनी जीवनशैली बनायेंगे। हमारी हजारों साल के योग की विरासत की सार्थकता निर्विवाद है। लेकिन प्रगतिशील कहे जाने वाले एक तबके का तर्क होता है कि योग को विज्ञान की कसौटी पर कसा जाए। इसी के मध्यनजर तरह-तरह के शोध एवं अनुंसधान योग को लेकर हो रहे हैं, अब आईआईटी व एम्स दिल्ली के शोध में यह बात सामने आयी है कि योग से आराम के गहरे अहसास होते हैं। दरअसल, योग निद्रा सोने और जागने के बीच एक सचेतन अवस्था है। जिसका उपयोग योगी ध्यान साधना के लिये करते रहे हैं। योग निद्रा की मानसिक सेहत के लिये उपयोगिता निर्विवाद रही है। शोध के दौरान बनाये गए दो समूहों में से नियमित योग करने वाले समूह के लोगों के मस्तिष्क के पैटर्न के तुलनात्मक अध्ययन से पता चला कि योग निद्रा हमारे मस्तिष्क को कैसे नियंत्रित करती है। योगी बताते हैं कि कुछ मिनटों की योग निद्रा कई घंटे की सामान्य नींद के मुकाबले ज्यादा आराम देने वाली होती है। व्यक्ति धीरे-धीरे योग निद्रा की अवधि बढ़ाकर बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकता है। वहीं यह हमारे ध्यान को गहरा बनाने में भी मददगार साबित हो सकती है।

अभी कुछ दिन पहले ही एक बात समाचारपत्रों में पढ़ी कि कैंसर क्यों होता है, इसके कई कारण हैं। एक कारण यह है कि जो लोग मस्तिष्क का सही उपयोग करना नहीं जानते उनके कैंसर हो सकता है। मस्तिष्क विज्ञानी तो यह भी कहते हैं कि मस्तिष्क की शक्तियों का केवल चार या पांच प्रतिशत उपयोग आदमी करता है, शेष शक्तियां सुप्त पड़ी रहती है। यह भी कहा जाता है कि कोई मस्तिष्क की शक्तियों का उपयोग सात या आठ प्रतिशत करने में समर्थ हो जाए तो वह दुनिया का सुपर जीनियस बन सकता है। इस आधार पर तो हम यही कह सकते हैं कि हम अपने मस्तिष्क का सही और पूरा उपयोग करना नहीं जानते। चाहे कर्म का क्षेत्र हो या धर्म का क्षेत्र हो, दोनों में हम पिछड़े हुए हैं। सबसे पहले हमारी जानकारी मस्तिष्क विद्या के बारे में होनी चाहिए। योग विद्या भारत की सबसे प्राचीन विद्या है। योगविद्या के आचार्यों ने मस्तिष्क विद्या से दुनिया का परिचय कराया था।

बहुत सारी शारीरिक एवं मानसिक समस्याएं अज्ञान के कारण पैदा होती हैं। शरीर और उसके विभिन्न अवयवों के बारे में जानकारी के अभाव में आदमी के सामने अनेक शारीरिक कठिनाइयां खड़ी हो जाती हैं। हमारे मस्तिष्क में एक पर्त है एनीमल ब्रेन की। वह पर्त सक्रिय होती है तो आदमी का व्यवहार पशुवत हो जाता है। जितने भी हिंसक और नकारात्मक भाव हैं, वे इसी एनीमल ब्रेन की सक्रियता का परिणाम है। इसे संतुलित करने का माध्यम योग है।

शारीरिक, मानसिक और अध्यात्मिक शांति एवं स्वस्थ्यता के लिये योग की एकमात्र रास्ता है। लेकिन भोगवादी युग में योग का इतिहास समय की अनंत गहराइयों में छुप गया है। वैसे कुछ लोग यह भी मानते हैं कि योग विज्ञान वेदों से भी प्राचीन है। दुनिया में भारतीय योग को परचम फहराने वाले स्वामी विवेकानंद कहते हैं-निर्मल हृदय ही सत्य के प्रतिबिम्ब के लिए सर्वोत्तम दर्पण है। इसलिए सारी साधना हृदय को निर्मल करने के लिए ही है। जब वह निर्मल हो जाता है तो सारे सत्य उसी क्षण उसमें प्रतिबिम्बित हो जाते हैं।...पावित्य के बिना आध्यात्मिक शक्ति नहीं आ सकती। अपवित्र कल्पना उतनी ही बुरी है, जितना अपवित्र कार्य।’’ आज विश्व में जो आतंकवाद, हिंसा, युद्ध, साम्प्रदायिक विद्धेष की ज्वलंत समस्याएं खड़ी है, उसका कारण भी योग का अभाव ही है।

हम जितना ध्यान रोगों को ठीक करने में देते हैं, उतना उनसे बचने में नहीं देते। दवा पर जितना भरोसा रखते हैं, उतना भोजन, संतुलित जीवन एवं श्वासों पर नहीं रखते। यही कारण है रोग पीछा नहीं छोड़ते। योग एवं ध्यान एक ऐसी विधा है जो हमें भीड़ से हटाकर स्वयं की श्रेष्ठताओं से पहचान कराती है। हममें स्वयं पुरुषार्थ करने का जज्बा जगाती है। स्वयं की कमियों से रू-ब-रू होने को प्रेरित करती है। स्वयं से स्वयं का साक्षात्कार कराती है। आज जरूरत है कि हम अपनी समस्याओं के समाधान के लिये औरों के मुंहताज न बने। ऐसी कोई समस्या नहीं है जिसका समाधान हमारे भीतर से न मिले। हमारे भीतर ऐसी शक्तियां हैं, जो हमें बचा सकती हैं। योग, संकल्प एवं संयम की शक्ति बहुत बड़ी शक्ति है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्विट्जरलैंड में 'आत्महत्या कैप्सूल' में संदिग्ध मौत को लेकर कई लोग हिरासत में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जिनेवा। स्विटजरलैंड पुलिस ने मंगलवार को कहा कि एक नए 'आत्महत्या कैप्सूल' में एक व्यक्ति की संदिग्ध मौत को लेकर कई लोगों को हिरासत में लिया गया है और इस संबंध में एक आपराधिक मामला दर्ज किया गया है। 'आत्महत्या कैप्सूल' (सार्को) का पहले कभी इस्तेमाल नहीं किया गया है। इसे इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि इसके अंदर बैठा व्यक्ति एक बटन दबाता है जिससे सीलबंद कक्ष में नाइट्रोजन गैस फैल जाती है। इसके बाद उस व्यक्ति को नींद आ जाएगी और कुछ ही मिनटों में दम घुटने से उसकी मौत हो जाएगी। पुलिस ने एक बयान में कहा कि शैफहॉसन कैंटन इलाके में अभियोजकों को एक विधि फर्म ने सूचित किया कि सोमवार को जंगल में बने एक केबिन में 'सार्को' कैप्सूल के इस्तेमाल से आत्महत्या की गई। पुलिस ने कहा कि कई लोगों को हिरासत में लिया गया है और अभियोजकों ने आत्महत्या के लिए उकसाने और सहायता करने के संदेह में जांच शुरू की है।

डच समाचार पत्र वोक्सक्रांट ने मंगलवार को खबर दी कि पुलिस ने उसके एक फोटोग्राफ़र को हिरासत में लिया है जो 'सार्को' के इस्तेमाल की तस्वीरें लेना चाहता था। उसने कहा कि फोटोग्राफ़र को पुलिस स्टेशन में रखा गया है, लेकिन उसने आगे और जानकारी नहीं दी। एपी द्वारा संपर्क किए जाने पर अख़बार ने आगे कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। नीदरलैंड स्थित आत्महत्या में मदद करने वाले एग्जिट इंटरनेशनल ने कहा है कि उसने '3डी-प्रिंटेड' उपकरण को तैयार किया है और इसे विकसित करने में 10 लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक का खर्च आया है। एग्जिट इंटरनेशनल से जुड़े प्रशिक्षित डॉक्टर डॉ. फिलिप नित्शके ने एपी को बताया कि उनके संगठन को स्विट्जरलैंड के वकीलों से सलाह मिली है कि देश में 'सार्को' का उपयोग कानूनी रूप से वैध होगा। जुलाई में, समाचार पत्र ब्लिक ने बताया था कि राज्य के एक अभियोजक पीटर स्टिचर ने एग्जिट इंटरनेशनल के वकीलों को लिखा है कि आत्महत्या कैप्सूल के किसी भी संचालक को आपराधिक कार्यवाही का सामना करना पड़ सकता है यदि इसका उपयोग वहां किया गया। उन्होंने कहा कि किसी भी दोषसिद्धि के लिए पांच साल तक की जेल हो सकती है। अन्य स्विस अभियोजकों ने भी संकेत दिया है कि आत्महत्या कैप्सूल के उपयोग को लेकर अभियोजन हो सकता है।गर्मियों में कई स्वास्थ्य समस्याओं से ग्रस्त 54 वर्षीय एक अमेरिकी महिला ने इस उपकरण का उपयोग करने वाली पहला व्यक्ति बनने की योजना बनाई थी लेकिन इस योजना को आगे नहीं बढ़ाया गया।

'प्रसादम' की घटना हिंदू भावनाओं पर 'हमला' है- स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना। उत्तराखंड में ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने

तिरुपति लड्डू 'प्रसादम' पर विवाद के बीच मंगलवार को कहा कि यह घटना हिंदू भावनाओं पर 'हमला' है। उन्होंने इसमें शामिल सभी लोगों के खिलाफ 'सख्त कार्रवाई' की मांग की। अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने 'पीटीआई-वीडियो' सेवा से कहा, यह घटना हिंदू भावनाओं पर हमला है...यह करोड़ों हिंदुओं की आस्था पर हमला है। यह संगठित अपराध का हिस्सा है। यह हिंदू समुदाय के साथ किया गया एक बड़ा विश्वासघात है...इसकी गहन जांच होनी चाहिए और इसमें शामिल सभी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, इसे विवाद कहना उचित नहीं है...यह उससे कहीं अधिक है। 1857 के विद्रोह के दौरान एक मंगल पांडे ने चर्बी वाले कारतूस को मुंह से खोलने से मना कर दिया था, इससे देश में क्रांति आ गई थी। लेकिन आज इसे करोड़ों भारतीयों के मुंह में ठूंस दिया गया... यह कोई छोटी बात नहीं है। इस मामले की जांच में देरी नहीं होनी चाहिए। देशव्यापी 'गौ रक्षा यात्रा' के तहत पटना पहुंचे अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि हम हिंदू इस घटना को कभी नहीं भूल सकते। देश में गोहत्या पर चिंता जताते हुए उन्होंने गोहत्या रोकने के लिए कानून बनाने की मांग की। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि देश भर में गोहत्या पर प्रतिबंध लगे और इसे रोकने के लिए सख्त कानून बने। यह काफी परेशान करने वाली बात है कि देश में गोमांस का निर्यात दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है। केंद्र सरकार को इस संबंध में सक्रिय कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि एक तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने सरकारी आवास पर गायों के साथ खेलते हैं और मोरों को दाना खिलाते हैं और दूसरी तरफ देश में गोमांस का निर्यात बढ़ रहा है... यह बहुत चौंकाने वाला और परेशान करने वाला है। देश में जाति आधारित जनगणना कराने की विपक्षी दलों की मांग पर उन्होंने कहा, इसमें कुछ भी गलत नहीं है। इस मामले का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए।

शुभारंभ

आयुष और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव नई दिल्ली में तंबाकू मुक्त युवा अभियान 2.0 के शुभारंभ पर दीप प्रज्वलित करते हुए।

ब्रेन स्कैन से पता चला, योग निद्रा से क्यों आराम महसूस होता है

नयी दिल्ली/दक्षिण भारत। योग-अध्यात्म का अभ्यास करने वाले लोगों के ब्रेन स्कैन से तंत्रिका तंत्र की उस संभावित गतिविधि के बारे में पता चला है, जिसके चलते 'योग निद्रा' के बाद व्यक्ति को आराम महसूस होता है। 'योग निद्रा' अध्यात्म की एक पद्धति है, जो व्यक्ति को नींद सरीखी स्थिति में ले जाने के बावजूद उसमें मानसिक सतर्कता का स्तर बनाए रखता है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दिल्ली सहित अन्य संस्थानों के अनुसंधानकर्ताओं के एक दल ने ध्यान के अभ्यास में माहिर 30 प्रतिभागियों और 31 नौसिखियों के मस्तिष्क की 'फंक्शनल मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग (एफएमआरआई)' की। इस दौरान, दल ने प्रतिभागियों के 'डिफॉल्ट मोड नेटवर्क' पर गौर किया, जो मस्तिष्क का 'बैकग्राउंड मोड' होता है और जिसे तब सक्रिय माना जाता है, जब कोई आत्मविश्लेषण कर रहा होता है या फिर अपने दिमाग को स्वतंत्र रूप से विचारों की दुनिया में भटकने दे रहा होता है। नतीजों की तुलना करने पर दल ने पाया कि ध्यान लगाने में माहिर प्रतिभागियों में आराम की मुद्रा में होने के मुकाबले योग निद्रा का अभ्यास करने के दौरान 'डिफॉल्ट मोड नेटवर्क' की सक्रियता कम होती है, जिससे संकेत मिलता है कि वे वर्तमान को लेकर अधिक सतर्क होते हैं।

जयशंकर ने बांग्लादेश के अपने समकक्ष से द्विपक्षीय संबंधों पर बातचीत की

न्यूयॉर्क/दक्षिण भारत। विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन से यहां सोमवार शाम को मुलाकात की और दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की। जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी पोस्ट में कहा, आज शाम न्यूयॉर्क में बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन से मुलाकात की। बातचीत द्विपक्षीय संबंधों पर केंद्रित रही। संयुक्त राष्ट्र महासभा की 79वीं बैठक से इतर जयशंकर और बांग्लादेश के उनके समकक्ष हुसैन की सोमवार शाम को यह बैठक हुई। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के सत्ता से बेदखल होने तथा नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस खान के नेतृत्व में अंतरिम सरकार गठित होने के बाद भारतीय विदेश मंत्री की अपने बांग्लादेशी समकक्ष के साथ यह पहली मुलाकात थी। यूनुस (84) ने हसीना द्वारा विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर इस्तीफा देने और भारत भागने के तीन दिन बाद आठ अगस्त को अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली। जयशंकर ने इससे पहले जी4 देशों के अपने समकक्षों के साथ मुलाकात की और दोहराया कि समूह बातचीत के जरिये संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में तत्काल सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। जी4 समूह में ब्राजील, जर्मनी, भारत और जापान शामिल हैं।

आधिकारिक यात्रा पर अमेरिका आए जयशंकर ने सोमवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र के इतर जापान की विदेश मंत्री योको कामिकावा, जर्मनी की विदेश मंत्री एनालेना बेयरबॉक और ब्राजील के विदेश मंत्री माउरो विएरा से मुलाकात की।

फिल्म लॉटरी का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म निर्माता रत्नाकर कुमार की बहुचर्चित भोजपुरी फिल्म लॉटरी का ट्रेलर वर्ल्डवाइड रिकार्ड्स भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज कर दिया गया है। फिल्म लॉटरी में मुख्य किरदार माही श्रीवास्तव निभा रही है, जो ट्रेलर में एक तरफ तो गांव की भोली भाली लड़की (दामिनी चौधरी) के रूप में दिखाई गई है। जो अपने ही परिवार में डरी और सहमी सी रहती है और एक समय खुद की जीवन लीला समाप्त करती हुई नजर आती है, वही जब उसकी 50 करोड़ की लॉटरी लग जाती है तो वो दुबई में एक आलीशान लाइफ जीती हुई दिखाई देती है। भोजपुरी फिल्म लॉटरी को लेकर निर्माता रत्नाकर कुमार ने बताया कि यह फिल्म भोजपुरी सिनेमा के दर्शकों के लिए एक विशेष तोहफा है। हमने इस फिल्म को पूरी तरह से पारिवारिक मनोरंजन के साथ साथ मॉर्डन जमाने का टच भी दिया है, जिसमें हर आयु वर्ग के दर्शकों के लिए कुछ न कुछ खास है। फिल्म की कहानी ग्रामीण पृष्ठभूमि से लेकर दुबई तक कि दिखाई गईं है। जो दर्शकों को एक लेवल मनोरंजन प्रदान करेगी। हमारी टीम ने फिल्म की गुणवत्ता और सामग्री पर विशेष ध्यान दिया है, ताकि दर्शकों को एक उच्चस्तरीय सिनेमा अनुभव मिल सके। माही श्रीवास्तव ने कहा कि जब से लॉटरी के फर्स्ट लुक आउट हुआ था तभी से मेरे चाहने वाले मुझसे फिल्म के ट्रेलर की रिलीज के बारे में पूछ रहे थे कि लॉटरी का ट्रेलर कब आएगा। अबट्रेलर रिलीज होते ही दर्शकों का इस पर अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। रत्नाकर सर का बहुत बहुत धन्यवाद बाद जिन्होंने मुझे पहले संघर्ष 2, जया और लॉटरी के माध्यम से दर्शकों के दिल मे जगह बनाने का मौका दिया। मेरी वर्ल्डवाइड रिकार्ड्स से और भी फिल्में आने वाली है। निर्देशक धीरू यादव ने कहा कि फिल्म लॉटरी दर्शकों पर अपनी एक अमित छाप छोड़ने में कामयाब होने वाली है। क्योंकि इसका फिल्मांकन बहुत ही उच्च कोटि का हुआ है। वर्ल्डवाइड चैनल और

जितेंद्र गुलाटी के बैनर तले बन रही निर्माणाधीन फिल्म लॉटरी के निर्माता रत्नाकर कुमार, सह निर्माता निवेदिता कुमार, निर्देशक धीरू यादव, स्पेशल धन्यवाद कुलदीप श्रीवास्तव, राइटर धर्मेंद्र सिंह, म्यूजिक शाहिद खान और धीरू यादव, लिरिक्स राजेश मिश्रा, डीओपी समीर सय्यद, राजन वर्मा(दुबई), प्रिंस कुमार सिंह(दुबई) एडिटर सनी सिंह, बैक ग्राउंड म्यूजिक डीजे भरली,मिक्सिंग इंजीनियर सरोज शर्मा, डीआई निमेष चौधरी, एक्शन इकबाल सुलेमान का है। वहीं फिल्म में माही श्रीवास्तव, अनिल रस्तोगी, संजय पांडे, विनीत विशाल, सुकेश आनंद, संदीप यादव, काजल त्रिपाठी, महेश आचार्य, सोनाली मिश्रा, धर्मेंद्र सिंह, राव रणविजय, ओमी कश्यप, सीमा मोदी, बृजमोहन यादव, योगेश पांडेय, सोनू कुमार सहित कई कलाकार हैं।

फिल्म 'द मेहता बॉयज' के लिए मिला साउथ एशियन फिल्म एसोसिएशन पुरस्कार

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के जानेमाने चरित्र अभिनेता बोमन ईरानी को उनके निर्देशन में बनी पहली फिल्म 'द मेहता बॉयज' के लिए साउथ एशियन फिल्म एसोसिएशन पुरस्कार मिला है। बोमन ईरानी ने अपने निर्देशन में बनी पहली फिल्म 'द मेहता बॉयज' के लिए प्रतिष्ठित साउथ एशियन फिल्म एसोसिएशन पुरस्कार प्राप्त करके अपनी उपलब्धियों में एक और उपलब्धि जोड़ ली है। यह पुरस्कार ईरानी की असाधारण प्रतिभा और सिनेमा की दुनिया में उनके योगदान को मान्यता देता है। अपने परिवार और सह-कलाकारों की मौजूदगी में बोमन ईरानी ने बेहद खुशी के साथ प्रतिष्ठित पुरस्कार स्वीकार किया। अपनी खुशी जाहिर करने के लिए उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, शिकागो साउथ एशियन फिल्म फेस्टिवल में द मेहता बॉयज के लिए जीतना एक सपने के सच होने जैसा है!मेरे परिवार और कलाकारों का मेरे साथ होना इसे और भी खास बना देता है। इस फिल्म में अपना दिल और आत्मा डालने वाले सभी लोगों के लिए, लेकिन आज रात यहां नहीं आ सके- यह जीत आपके लिए है! आपके समर्पण और जुनून ने इसे संभव बनाया, और मैं बहुत आभारी हूं। पूरी टीम के लिए धन्यवाद! 'द मेहता बॉयज़' अमेज़न प्राइम वीडियो पर रिलीज़ होगी और इसमें बोमन ईरानी, ङ्कङ्कअविनाश तिवारी, श्रेया चौधरी और पूजा सरूप प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

'द वायरल फीवर' जैसा प्लेटफॉर्म मिलना हमारे जेनरेशन की किस्मत थी: अभिषेक बनर्जी

मुंबई/एजेन्सी

जानेमाने अभिनेता अभिषेक बनर्जी का कहना है कि द वायरल फीवर जैसा प्लेटफॉर्म मिलना हमारे जेनरेशन की किस्मत थी।

द वायरल फीवर (टीवीएफ) एक ऐसी प्रोडक्शन कंपनी बन गई है जो हमेशा रिलेटेबल और दिलचस्प कंटेंट बनाती है। अपने शो के जरिए, द वायरल फीवर ने लाखों लोगों के दिल जीते हैं और ये साबित किया है कि आज की पीढ़ी को सबसे अच्छे से को समझते हैं। अभिषेक बनर्जी ने टीवीएफ के फाउंडर अरुणाभ कुमार के कमाल के विजन के बारे में बात की, जो उस वक्त यूट्यूब पर वीडियो बनाने लगे थे, जब बहुत कम लोग इस प्लेटफार्म की पोटेंशियल पर विश्वास करते थे।

शुरू में बनर्जी भी थोड़ा डाउटफुल थे, लेकिन चैनल ने बहुत बड़ी सफलता हासिल की। उन्होंने कहा कि हर पीढ़ी की अपनी किस्मत होती है, और उनकी किस्मत थी कि उन्हें टीवीएफ मिला, जिसने उन्हें ऐसा कंटेंट बनाने का मौका दिया जो दर्शकों को पसंद आया। उन्होंने कहा कि इससे उन्हें बहुत आत्मविश्वास मिला। उन्हें ये कहकर अपनी बात खत्म की कि आज इंडस्ट्री में कई लोगों के करियर में टीवीएफ का बड़ा योगदान कर रहे हैं।

द वायरल फीवर भारत में वेब सीरीज़ बनाने वाली पहली कंपनियों में से एक थी, जिसमें परमानेंट रूममेट्स, हॉस्टल डेज़, टीवीएफ पिचर्स और टीवीएफट्रिपलिंग जैसे पॉपुलर शो शामिल थे। इस साल, टीवीएफ ने सपने वर्सेज एवरीवन, वेरी पारिवारिक, पंचायत सीजन 3, कोटा फैक्ट्री सीजन 3, गुल्लक सीजन 4 और अरेंज्ड कपल जैसे शो के साथ सच में अपना दबदबा बनाया है।

'मेरे महबूब' गाना के लिए उत्साहित है तृप्ति डिमरी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री तृप्ति डिमरी अपनी आने वाली फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो के गाना मेरे महबूब के लिये बेहद उत्साहित है। तृप्ति डिमरी अपनी आने वाली फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो को लेकर चर्चा में है,जिसमें वह राजकुमार राव के साथ काम कर रही हैं। 90 के दशक की पृष्ठभूमि पर बनी इस फिल्म में तृप्ति ने ऋषिकेश की एक छोटे शहर की लड़की विद्या का किरदार निभाया है। ट्रेलर में अपने बेहतरीन अभिनय से दर्शकों को प्रभावित करने के बाद, तृप्ति अब फिल्म के नए ट्रैक मेरे महबूब में लोगों का ध्यान खींचने के लिए वापस आ गई हैं।इस गाने में तृप्ति ने नीले रंग के इंडो-वेस्टर्न आउटफिट में शानदार डांस किया है। बैकग्राउंड डांसर्स के साथ उनके तीखे मूव्स स्क्रीन पर जबरदस्त एनर्जी लेकर आए हैं। इस गाने में एक शानदार रेन सीक्वेंस भी है, जिसमें वह राजकुमार राव के साथ परफॉर्म करती हैं, जो रेट्रो बॉलीवुड

वाइब्स को दर्शाता है। दोनों की केमिस्ट्री और बेहतरीन मूव्स ने इस गाने को पहले ही सबसे अलग बना दिया है।

तृप्ति डिमरी ने कहा, मेरे महबूब गाना मेरे लिए वाकई खास है; यह मेरा डांसिंग नंबर है। जब आपका पहला गाना सचिन-जिगर द्वारा रचित हो, शिल्पा राव और सचेत टंडन द्वार गाया गया हो, और गणेश मास्टरजी द्वारा कोरियोग्राफ किया गया हो, तो आपको और क्या चाहिए? मैं बहुत-बहुत आभारी, खुश और उत्साहित हूं। जब तृप्ति से पूछा गया कि क्या उन्होंने रवीना टंडन और कैटरीना कैफ के लोकप्रिय ट्रैक टिप टिप बरसा पानी के वर्जन जैसे 90 के दशक के बॉलीवुड गानों से प्रेरणा ली, तो उन्होंने कहा, हां, मैंने इसके बारे में सोचा था और रिहर्सल के दौरान उन्हें देखा था। मैं खुद की तुलना उनसे नहीं कर सकती- वे बहुत, बहुत अच्छे हैं। इस गाने को शूट करना बहुत मजेदार था। गणेश सर और उनकी टीम शानदार थी। मैं बहुत नर्वस थी, क्योंकि यह मेरा पहला डांस नंबर था, लेकिन उन्होंने मेरे लिए इसे बहुत आसान बना दिया। उन्होंने कहा, 'अब जब तुमने इसे सीख लिया है, तो बस मज़े करो। किसी भी चीज़ के बारे में मत सोचो और बस खेलो। विक्की विद्या का वो वाला वीडियो के बाद, तृप्ति कई बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट के साथ अपनी सिनेमाई यात्रा जारी रखेंगी। वह अगली बार भूल भुलैया 3 और धड़क 2 में नज़र आएंगी। इसके अलावा, तृप्ति ,विशाल भारद्वाज की आगामी अनटाइटल्ड एक्शन ड्रामा में मुख्य भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं।

फिल्म 'जिंक्स' का मुंबई में हुआ प्रीमियर

मुंबई/एजेन्सी

वेनिस फिल्म फेस्टिवल में शीर्ष सम्मान जीतने के बाद फिल्मकार मंशा तोतला की फिल्म 'जिंक्स' का प्रीमियर यहां किया गया। मंशा तोतला की बहुप्रतीक्षित लघु वृत्तचित्र 'जिंक्स' का मुंबई में प्रीमियर हुआ, जिसमें बॉलीवुड के कुछ सबसे बड़े नाम शामिल हुए। वेनिस में प्रतिष्ठित 'रिप्लाई एआई फिल्म फेस्टिवल' में टॉप सम्मान जीतने के बाद, इस डाक्यूमेंट्री ने भारत में अपनी शानदार शुरुआत की, जिसने इंडस्ट्री और प्रशंसकों का भरपूर ध्यान आकर्षित किया। मंशा तोतला ने वेनिस में प्रतिष्ठित 'रिप्लाई एआई फिल्म फेस्टिवल' में अपनी अभूतपूर्व शॉर्ट डाक्यूमेंट्री 'जिंक्स' के लिए तीसरा स्थान जीतकर अपने करियर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। रेड कार्पेट इवेंट में बॉलीवुड की कई जानी-मानी हस्तियाँ जैसे अर्जन बाजवा, अशोक पंडित, रूपाली सूरी, अभिषेक बजाज, पुनीत इस्सर और वकार शेख प्रीमियर में शामिल हुए।तोतला ने 81वें वेनिस अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में रेड कार्पेट पर भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, इस कार्यक्रम में एंजेलिना जोली, ब्रैड पिट और जेना ऑर्टेगा जैसे प्रमुख हॉलीवुड सितारे शामिल हुए। प्रीमियर के बारे में बात करते हुए, मंशा तोतला ने कहा, मैं जिंक्स को ग्लोबल स्तर पर और अब मुंबई में मिले प्यार और समर्थन से अभिभूत हूँ। इस शार्ट डाक्यूमेंट्री को अपने देश में प्रदर्शित करना मेरे लिए सम्मान की बात है, जहाँ इंडस्ट्री जगत की ऐसी अविश्वसनीय प्रतिभाएँ और मित्र मौजूद हैं।

'लापता लेडीज़' की ऑस्कर में मिली एंट्री पर आमिर खान ने जताया गर्व

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड स्टार आमिर खान ने फिल्म 'लापता लेडीज' को ऑस्कर 2025 के लिए भारत की आधिकारिक प्रविष्टि के रूप में चुने जाने पर गर्व जताया है। फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा फिल्म लापता लेडीज़ को सर्वश्रेष्ठ विदेशी फिल्म श्रेणी में भारत की आधिकारिक प्रविष्टि के रूप में घोषित किया गया है। इस खबर के बाद आमिर ने एक बयान जारी किया जिसमें उन्होंने अपनी पूर्व पत्नी-निर्देशक किरण राव और 'लापता लेडीज' की पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने लिखा, हम सभी इस खबर से बहुत खुश हैं। मुझे किरण और उनकी पूरी टीम पर बहुत गर्व है। मैं फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया की चयन समिति को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिसने ऑस्कर में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए हमारी फिल्म को चुना। आमिर ने कहा, हमारे दर्शकों, हमारे मीडिया और पूरी फिल्म बिरादरी को उनके प्यार और समर्थन के लिए मैं तहे दिल से आभार व्यक्त करता हूं। जियो और नेटफ्लिक्स दोनों का शुक्रिया, जो हमारे साथ काम करने के लिए बेहतरीन साझेदार रहे हैं। मुझे बहुत खुशी है कि हमारी सारी मेहनत रंग लाई है। आप सभी का शुक्रिया। उम्मीद है कि लापता लेडीज अकादमी के सदस्यों का दिल जीतने में सफल होगी।'''लापता लेडीज' ग्रामीण

भारत में लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण के विषयों पर आधारित एक फिल्म है। फिल्म दो दुल्हनों की कहानी पर आधारित है, जो 2001 में ट्रेन यात्रा के दौरान अनजाने में बदल जाती हैं। प्रतिभा रांटा, स्पर्श श्रीवास्तव और नितांशी गोयल अभिनीत इस फिल्म में एक मार्मिक कथा के साथ एक मजबूत सामाजिक संदेश भी है। जियो स्टूडियो द्वारा प्रस्तुत, लापता लेडीज़ का निर्देशन किरण राव ने किया है और इसका निर्माण आमिर खान, किरण राव और ज्योति देशपांडे ने किया है। यह फिल्म आमिर खान प्रोडक्शंस और किंडलिंग प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी है, जिसकी पटकथा बिप्लब गोस्वामी की एक पुरस्कार विजेता कहानी पर आधारित है। पटकथा और संवाद स्नेहा देसाई द्वारा लिखे गए हैं, जबकि अतिरिक्त संवाद दिव्यनिधि शर्मा द्वारा लिखे गए हैं।

गौरतलब है कि हाल ही में 'लापता लेडीज' को भारत के सर्वोच्च न्यायालय में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में प्रदर्शित किया गया, जिसमें न्यायाधीश, उनके परिवार और अधिकारी शामिल हुए। उस कार्यक्रम में राव ने फिल्म की स्क्रीनिंग में मुख्य न्यायाधीश की पहल के लिए आभार व्यक्त किया। मार्च में रिलीज़ हुई इस फिल्म में रवि किशन, छाया कदम और गीता अग्रवाल शर्मा ने भी अभिनय किया है। इस साल 96वें ऑस्कर के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 14 नवंबर है। सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय फीचर के लिए शॉर्टलिस्ट 17 दिसंबर को जारी की जाएगी और नामांकन 17 जनवरी, 2025 को घोषित किए जाएंगे। अकादमी पुरस्कार 02 मार्च, 2025 को आयोजित होने वाले हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | बुधवार | 25-09-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जो व्यक्ति प्राकृतिक जीवन जीता है, वह अपने आप में ऐश्वर्य पूर्ण जीवन जीता है। यह प्रकृति मानवीय मन को समृद्ध बनाने वाली है। उसी प्रकृति के रूप में कोई भाषा है तो वह प्राकृत भाषा है। प्रकृति सबको स्वीकार करती है। प्राकृतिक सौन्दर्य का आनंद ही कुछ और है, वह अनुभव होता है। वह दिल में प्रसन्नता भर देता है। प्राकृत भाषा में अलग ही चमक रही हुई है। हमारे आगम उसी प्राकृत भाषा में लिखे गए। प्राकृत भाषा बोलने, सुनने में बहुत मधुर है। परमात्मा के समय में वही बोली मातृभाषा के रूप में बोली जाती थी। हमारा कर्तव्य बनता है कि प्राकृत भाषा के प्रति प्रेम होना ही चाहिए।

ज्ञान वह, जो हमारे भीतर में रहे हुए सामर्थ्य का बोध कराए : युवाचार्य महेंद्र ऋषि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी के सान्निध्य में पुच्छिस्सुणं संपुट की चौदहवीं गाथा का जाप हुआ। उन्होंने इस गाथा का महत्व बताते हुए कहा कि इस गाथा में परमात्मा के गुणात्मक स्वरूप का वर्णन करते हुए कहा गया हैं कि जैसे महान् मेरु पर्वत का यश है, वैसे ही परमात्मा के ज्ञान, दर्शन, शील को समझना चाहिए। उन्होंने कहा यश की अपेक्षा प्रत्येक व्यक्ति को रहती है। यश यानी ख्याति, प्रसिद्धि, फेम। यश नाम कर्म से जुड़ा हुआ है। हमारे भीतर में रहे हुए सद्गुण लोगों के नाम पर जोड़ देते हैं तो हम मन ही मन बहुत दुःखी हो जाते हैं। यश नाम कर्म है, औरों के कर्म हमारे काम नहीं आते। सद्गुण हमारी निजी संपत्ति, निजी सामर्थ्य है। वह यदि हमारे अंदर है तो वह यश है। परमात्मा का नाम उनके गुणों से समृद्ध है। यह हमारा कहीं भी किसी जगह पर जानने का सही तरीका है।

उन्होंने कहा मेरु पर्वत श्रेष्ठ है। जैसे परमात्मा की जाति श्रेष्ठ है, वे क्षत्रिय वर्ण के थे। उनका जन्म श्रेष्ठ था, इसलिए वे कभी डगमगाए नहीं। श्रेष्ठ वंश, श्रेष्ठ कुल में उनका जन्म हुआ। इन्द्र देव द्वारा अभिषेक करते समय भगवान ने अपना अंगूठा दबाया और मेरु पर्वत के कंपन को इन्द्र देव ने भांप लिया। जिन चीजों के लिए आप पूरा जन्म लगा देते हो, वह परमात्मा को जन्म से ही मिला हुआ था। भगवान जब माता के गर्भ में थे तो उन्होंने निश्चय किया कि माता को मेरे कारण कष्ट नहीं पहुंचे। वे लाखों जीवों को तारने वाले तीर्थंकर थे। उन्होंने माता-पिता की इच्छाओं को सर्वोपरि माना, अपने लक्ष्य से वे भटके नहीं, वह गुण था उनका। आज हम इस पर कितना खरा उतरते हैं। यह समझने का विषय है।

उन्होंने कहा हमारा ज्ञान दूसरों को दोषी करार देने वाला है। ज्ञान यानी जो भीतर में रहे हुए सामर्थ्य का बोध कराए। भगवान को अवधि ज्ञान था। हमारी दशा यह है कि हम दो अक्षर क्या पढ़ लेते हैं, सातवें आसमान पर चढ़ जाते हैं। उनका ज्ञान भीतर में रहे हुए सामर्थ्य का बोध कराता है। यह गाथा ज्ञान वृद्धि, यश वृद्धि करने वाली है। इस गाथा के माध्यम से परमात्मा की स्तुति की गई है। वह जीवन में आनंद मंगल का प्रकाश फैलायेगी। इस दौरान सांभाजी नगर, बैंगलुरू, दुर्ग, इचलकरणजी आदि क्षेत्रों से गुरुभक्तगण युवाचार्यश्री के दर्शनार्थ व वंदनार्थ उपस्थित हुए। आनंद युवा मंच इचलकरणजी ने युवाचार्यश्री से शेषकाल में अपने क्षेत्र में विचरण करने की विनती की। राकेश विनायकिया ने सभा का संचालन किया।

वैष्णव कॉलेज में छात्राओं के लिए आत्मरक्षा तकनीक सिखाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां द्वारका दास गोवर्धन दास वैष्णव महाविद्यालय की महिला फोरम सेल और एनसीसी ने 21 सितंबर को महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध को देखते हुए कॉलेज की छात्राओं के लिए एक विशेष आत्मरक्षा तकनीक शिविर का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य कैप्टन डॉ. संतोष बाबू ने सभी प्रशिक्षकों का स्वागत किया तथा स्वस्थ और समृद्ध राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं की भागीदारी उनकी सुरक्षा और सामुदायिक सेवा के महत्व पर बल दिया। उन्होने कहा कि स्त्री का सम्मान हम सभी की ज़िम्मेदारी है और वैष्णव कॉलेज पढ़ाई के साथ उन्हे हर प्रकार से मजबूत बनाने के लिए कोशिश में जुटा है। परंतु यह किसी अकेले व्यक्ति का काम नहीं है। समाज को अपनी भूमिका समझनी होगी।

कॉलेज के सचिव डॉ अशोक कुमार मूँधड़ा ने इस कार्यक्रम के आयोजकों को बधाई दी और युवा छात्राओं को जागरूक करने हेतु कहा कि उनकी सुरक्षा के प्रति उन्हें प्रशिक्षित करना बहुत ही जरूरी है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जो इस कार्यक्रम का हिस्सा है वे अपने आपपास रहने वाली महिलाओं और लड़कियों को भी सुरक्षा के प्रति जागरूक करें। आज समाज में महिलाओं को मजबूत बनाना ही होगा जिससे कोई भी उनका शोषण न कर सके। इस कार्यक्रम में लगभग 600 उत्साही छात्राओं ने भाग लिया। विशेषज्ञ प्रशिक्षकों ने छात्राओं को आवश्यक आत्मरक्षा कौशल सिखाए। विभिन्न सशक्तीकरण सत्रों ने आत्मविश्वास और जागरूकता को बढ़ाया। सभी छात्राओं ने सकारात्मक रूप से सभी सत्रों में भाग लिया और आत्मरक्षा के तरीके सीखे।

माता पिता, गुरु और भगवान के हमेशा कृतज्ञ रहना चाहिए : साध्वी विनयश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहुकारपेट के जैन भवन में साध्वीश्री विनयश्रीजी म. सा. ने कहा कि मनुष्य को परमात्मा के लिए इस बात के लिए हमेशा आभारी रहना चाहिए कि उन्होने उसे स्वस्थ शरीर और मनुष्य भव दिया है। मनुष्य भव प्राप्त करने के लिए देवता भी तरसते है, क्योंकि केवल मनुष्य ही जप और साधना के माध्यम से मोक्षगामी बन सकते हैं।

साध्वी विनयश्रीजी म. सा. ने कहा कि प्रत्येक मनुष्य कौ प्रतिदिन परमात्मा, माता पिता और गुरू का आभार व्यक्त करना चाहिए, जो कि उनकी मनुष्य की आध्यात्मिक यात्रा के दौरान पल पल के सहयोगी होते हैं। प्रवचन स्थल के आंगन में सुश्री दीपिका जैन दीक्षा महोत्सव समिति की बैठक हुई जिसमें दीक्षा पत्रिका का विमोचन साध्वी राजमती जी म. सा. के सानिध्य में हुआ। वहां उपस्थित दीक्षा समिति के सदस्यों और विभिन्न लाभार्थियों को दीक्षा के कार्यक्रम की जानकारी दी गई और उन्हें दीक्षा की पत्रिकाओं का वितरण किया गया। कार्यक्रम में संघ के अध्यक्ष प्रकाश चन्द खिवसरा ने वहां उपस्थित सभी गणमान्य लोगों से दीक्षा में ज्यादा से ज्यादा सहयोग देने की अपील की। धर्मसभा संजय पिन्चा ने किया।

विकलांग व्यक्तियों के लिए जॉब फेयर 28 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। एम.एस. दाधा फाउंडेशन की ओर से श्री गीता भवन ट्रस्ट के सहयोग से मुक्ति संगठन द्वारा आयोजित शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए एक विशेष जॉब फेयर 28 सितम्बर को गीता भवन ट्रस्ट गोपालपुरम् में होने जा रहा है।

एमएस दाधा फाउन्डेशन की सेवा पहल 'मुक्ति' के तहत विकलांगों को कृत्रिम पांव और पोलियो प्रभावित लोगों को कैलीपर प्रदान किए जा रहे हैं। संस्था द्वारा 400,000 से अधिक गतिशीलता सहायक उपकरण निःशुल्क वितरित किए गए हैं।

आंख खुलना ही सच्ची जागृति है, जागृत व्यक्ति कभी भूल नहीं करता : साध्वीश्री धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्वावधान में एवं साध्वी धर्मप्रभाजी ने कहा कि हमारी आत्मा अनादिकाल और यह अनंतानंत जन्मों से मोह की नींद में सो रही है। मोह की नींद से जागना कोई सरल कार्य नहीं है। जिन्दगी बीत जाती है लेकिन सूरज नहीं निकलता है। प्रभात होती ही नहीं है। जीवन को जानने के लिए, जीने के लिए जागना अनिवार्य है। मानव जन्म तो नींद से जागने का अवसर है। अन्तस के द्वार खोलने का श्रम करें। जिसका अन्तस सोया हुआ है वह जागकर भी सोया हुआ है और जिस भव्यात्मा का अंतस जाग चुका है वह सोकर भी अन्तस की जाग रहा है। उन्होंने कहा कि आंख खुलना ही सच्ची जागृति है। जागृत व्यक्ति कभी भूल नहीं करता। जिस प्रकार यदि आँखें खुली हुई हो तो आदमी दीवार से नहीं वह टकराता अपितु दरवाजे से होकर बाहर निकल जाता है। उन्होंने आगे कहा कि संसार की मोह-आसक्ति, भोगों को ओर भोगने की इच्छा बनी रहना ही जीव के अनंतकाल से इस चौरासी लाख जीवा योनि के चक्र में जन्म-मरण का सबसे बड़ा कारण है। संत-महापुरुष आपको जगाने आते हैं। प्रभु तीर्थकर परमात्मा के सद उपदेशों को आप तक जन-जन में आत्महित के संदेशों को आप तक पहुंचाने का श्रम साध्य करते हैं और स्व-पर की आत्मा का कल्याण करने में साधनारत आत्म- जागृति - जागरण का उदबोधन देते है।

प्रारंभ में साध्वी श्री स्नेहप्रभा जी म.सा. ने उत्तराध्ययन सूत्र के पांचवें अध्ययन पर सारगर्भित प्रकाश डालते हुए कहा कि जीवन का एक छोर जन्म है तो दूसरा छोर मृत्यु । जन्म के समय सभी कोरे कागज क भांति पैदा होते हैं। मृत्यु के क्षण तक सारी कथा उस पर लिख दी जाती है। जीवन के रहते मृत्यु का बोध हो जाए तो अमरत्व का पाना सम्भव हो जाता है। हम चाहें तो दूसरे की मृत्यु से अपनी मृत्यु का बोध ले सकते हैं, क्योंकि हर पीले पत्ते का टूटना हमारी मौत है।

हर बुलबुले का फूटना हमारी मौत है। हर शाम सूरज को देखकर ढलते हुए, इंसान को अपनी मौत को भी याद रखना चाहिए। हर अर्थी और हर चिता को देख अपनी मौत का स्मरण करना चाहिए। जिससे नश्वर जगत के प्रति जो आसक्ति हैं, काम भोगों इन्दियों के विषय-विकारों, हिंसादि पाप कार्यों में मन वचन काया योगों की जो तीव्र रुचि, भोगासक्ति रही हुई है वह त्रियोगों की विशुद्धि रूप विरक्ति में बदलती है। अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी ने स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन संघ मंत्री सुरेश कुमार धोका ने किया।

मुलाकात — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तमिलनाडु सतर्कता व भ्रष्टाचार रोकथाम निगरानी विभाग के संयुक्त निदेशक संतोष कुमार (आईपीएस) से चेन्नई कार्यालय में तमिलनाहु पॉन ब्रोकर एवं ज्वेलर्स एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष स्वामी तेजानंद व मदुरवाईल एसोसिएशन घटक के सचिव निर्मल जैन ने शॉल ओढाकर उनका सम्मान किया। व्यापारियों की समस्याओं के बारे में वर्तमान स्थिति के बारे में अधिकारी के साथ एसोसिएशन के सदस्यों ने चर्चा की और शीघ्र समाधान का आश्वासन प्राप्त किया।

कर्मयोगी ट्रस्ट द्वारा विशेष बच्चों के लिए खेल उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कर्मयोगी ट्रस्ट के प्रसन्ना द्वारा आयोजित विशेष बच्चों के लिए 15वें सांस्कृतिक और खेल कार्यक्रम में 20 से अधिक स्कूलों और व्यक्तियों ने भाग लिया, जिसमें लगभग 550 बच्चों ने भाग लिया।

इसका आयोजन एसटीजी चैरिटेबल ट्रस्ट और फ्रेंड्स, कंपनी पावर्ड बाय मेडिसिन चैंबर, गोविंदम, चाय वाले आदि द्वारा किया गया था। गत दो दिवसीय कार्यक्रम नेहरू स्टेडियम में खेले गए।

राजभाषा के क्षेत्र में चेन्नई मंडल अव्वल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां दक्षिण रेलवे के चेन्नई मंडल के मंडल रेल प्रबंधक विश्वनाथ ईर्या ने 24 सितम्बर को संपन्न मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक के दौरान पुस्तक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। कर्मचारियों द्वारा किये गये काम के नमूने को देखा। दो हज़ार से अधिक कर्मचारी प्रतियोगिताओं में भाग लिए हैं। उसकी प्रदर्शिनी भी लगी। मण्डल रेल प्रबन्धक ने हिन्दी विभाग के इस अथक प्रयास एवं सराहनीय कार्य की प्रशंसा की। सबका साथ-सबका विकास नीति को राजभाषा में लागू कराने का निदेश दिया। चिकित्सा विभाग के कर्मचारियों के लिए एक अब हम हिंदी में भी बोलेंगे - सहायक साहित्य का विमोचन किया। प्रथम प्रति को मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ एस.वी.ओ चंद्रकुमार ने प्राप्त किया।

'आपकी चाह - हमारी राह योजना' के तहत अनुवाद सरलीकरण - सहायक साहित्य का भी विमोचन किया। प्रथम प्रति अपर मंडल रेल प्रबंधक तेज प्रताप सिंह ने प्राप्त किया। राजभाषा विभाग को उत्तम प्रयास के लिए सराहा।

सुन्दरकांड — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तिरुपुर के रायपुरम् स्थित गणेश मंदिर में 24 सितम्बर को 13वां मासिक सुन्दरकांड का पाठ का आयोजन किया गया। पंडित सुनील दाधीच द्वारा सुबह गणेश वन्दना एवं बाबा कि ज्योत के साथ संगीतमय सुन्दरकाण्ड मीठे मीठे भजनों की लय में शुरु किया गया। सुन्दरकाण्ड पाठ मे मंडल की अध्यक्ष शिलाशाह एवं पदाधिकारियों ने भाग लिया।

आत्मा में जो वास करता है उसका होता है कल्याण : संतश्री विनयमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन बावीस संप्रदाय संघ के तत्वावधान में गणेश बाग में विनयमुनिजी खींचन ने शहर में पहले वाले छेद सूत्र की प्रवचन माला में कहा कि मनुष्य के सामने दो प्रकार का संसार दिख रहे है, अपार साधन जो इंद्रियों और शरीर को साता देते है, प्रधानतः आवागमन के भरपूर साधनों, तथा चक्षु कान को व्यस्तता को सुखरूप मानते है और वे ही सभी बाह्य साधन कभी भी मृत्यु तक के कारण बनते देखे गए हैं। भगवान महावीर ने संयम-देशसंयम ये दोनों चतुर्विध संघ के हितकारी मार्ग दिए है। बाह्य संसार मृत्यु से पहले छोड़ने की तैयारी करनी चाहिए अन्यथा मृत्यु आते ही सब छोडना ही पड़ेगा, साधनों की निश्चितता की गारन्टी नहीं है, ये सुख दुःखरूप में बदलते रहते हैं। जैसे दही पोष्टिक है परन्तु बुखार में दही मृत्यु का कारण भी बन सकता है।

सऊदी अरब ने पाकिस्तान से उमराह वीजा लेकर भिखारियों के खाड़ी देश पहुंचने पर रोक लगाने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद। सऊदी अरब ने उमराह की आड़ में अपने देश में आने वाले पाकिस्तानी भिखारियों की बढ़ती संख्या पर चिंता जताई है। सऊदी अरब ने साथ ही पाकिस्तान से उन्हें खाड़ी देश में प्रवेश करने से रोकने के लिए कार्रवाई करने को कहा है। मीडिया में आई एक खबर में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। पाकिस्तान के धार्मिक मामलों के मंत्रालय के सूत्रों का हवाला देते हुए 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार ने अपनी खबर में बताया कि सऊदी अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि स्थिति को नियंत्रित नहीं किया गया तो इसका पाकिस्तान के उमराह और हज यात्रियों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। खबर में कहा गया, सऊदी हज मंत्रालय ने पाकिस्तान के धार्मिक मामलों के मंत्रालय को चेतावनी जारी की है, जिसमें उमराह वीजा के तहत पाकिस्तानी भिखारियों को खाड़ी देश में प्रवेश करने से रोकने के लिए कार्रवाई करने का आग्रह किया गया है। इस चेतावनी के बाद पाकिस्तान के धार्मिक मामलों के मंत्रालय ने उमराह अधिनियम लाने का फैसला किया है, जिसका उद्देश्य उमराह की व्यवस्था करने वाली ट्रैवल एजेंसियों को विनियमित करना और उन्हें कानूनी निगरानी के तहत लाना है। इससे पहले, सऊदी राजदूत नवाफ बिन सैद अहमद अल-मलिकी के साथ बैठक में गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने उन्हें आश्वासन दिया था कि सऊदी अरब में भिखारियों को भेजने के लिए जिम्मेदार माफिया के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.